▪ ज्येष्ठ कृष्णा - 4 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 287 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 16-05-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डर के कारण जातिगत गणना के लिए सहमत हुए : राहुल गांधी

6 आपरेशन 'सिंदूर' से चीन को हुआ नुकसान

7 'एक अभिनेता से कहीं बढ़कर थे ओम पुरी'

फर्स्ट टेक

तुर्किये की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया की सुरक्षा मंजूरी रद्द

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने बृहस्पतिवार को 'राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में' तुर्किये की जमीनी रखरखाव से जुड़ी कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लि. की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी। यह फैसला तुर्किये का पाकिस्तान का समर्थन करने और वहां के आतंकवादी ठिकानों पर भारत के हाल के हमलों की आलोचना के कुछ दिन बाद आया है। तुर्किये स्थित सेलेबी की इकाई सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया, नौ हवाई अड्डों – मुंबई, दिल्ली, कोचीन, कन्नूर, बेंगलूरु, हैदराबाद, गोवा (जीओएक्स), अहमदाबाद और चेन्नई में सेवाएं प्रदान करती है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो ने एक आदेश में कहा, ... सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लि. के संबंध में सुरक्षा मंजूरी राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में तत्काल प्रभाव से रद्द की जाती है।

सरकार ने 187 स्टार्टअप को आयकर छूट लाभ देने की मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने 187 स्टार्टअप कंपनियों को आयकर छूट की मंजूरी दी है। कर लाभ से पात्र स्टार्टअप को अपने गठन की तारीख से 10 साल की अवधि के भीतर किसी भी लगातार तीन वर्षों के लिए मुनाफे पर 100 प्रतिशत आयकर कटौती की अनुमति मिलती है। आयकर लाभ योजना उभरते व्यवसायों को उनके प्रारंभिक वर्षों में सहायता प्रदान करने, नवाचार, रोजगार एवं धन सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार की गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने आयकर अधिनियम की संशोधित धारा 80-आईएसी के तहत 187 स्टार्टअप को आयकर छूट के लिए मंजूरी दे दी है।

भारत के शुभांशु शुक्ला अब आठ जून को अंतरिक्ष स्टेशन पर जाएंगे

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला आठ जून को चालक दल के तीन अन्य सदस्यों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना होंगे। अमेरिका की वाणिज्यिक मानव अंतरिक्ष उड़ान कंपनी 'एक्सिओम स्पेस' और नासा ने इस बात की पुष्टि की है। यह मिशन पहले 29 मई को आईएसएस के लिए रवाना होने वाला था, लेकिन अब अंतरिक्ष यान को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित केनेडी स्पेस सेंटर से भारतीय समयानुसार आठ जून की शाम छह बजकर 41 मिनट पर प्रक्षेपित किया जाएगा।

सूर्यास्त 16-05-2025	सूर्योदय 17-05-2025
6:38 बजे	5:53 बजे

BSE	NSE
82,530.74	25,062.10
(+1,200.18)	(+395.20)

सोना	चांदी
9,890 रु.	97,673 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सुन पाकिस्तान...

सुन बे पाकिस्तान जरा,
अब छोड़ हरकतें बचकानी।
तू नक्शा बदल रहा अपना,
ख्वाबों की चख कर बिरयानी।
तेरी दुम हरदम ही टेढ़ी,
मत कर गंदी कारस्तानी।
भूगोल बदल देंगे तेरा,
हम हैं पक्के हिंदुस्तानी।।

पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध पूरी तरह से द्विपक्षीय रहेंगे : जयशंकर

▪ **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह बात "बहुत स्पष्ट" कर दी है कि पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत केवल आतंकवाद पर ही होगी।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ भारत का संबंध और व्यवहार ''पूरी तरह से द्विपक्षीय'' रहेगा और इस संबंध में कई वर्षों से राष्ट्रीय सहमति बनी हुई है और इसमें ''कतई कोई बदलाव नहीं'' होगा। जयशंकर ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम हमले के दोषियों को जवाबदेह ठहराने की जरूरत पर बल दिया था और सात मई की सुबह ''हमने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए उन्हें जवाबदेह ठहराया।

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने छह-सात मई की रात को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए थे, जिसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। पाकिस्तान की कार्रवाई का भारतीय पक्ष द्वारा कड़ा जवाब दिया गया था।

दोनों पक्षों ने 10 मई को अपराह्न में सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच वार्ता के बाद सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमति की घोषणा की थी।

जयशंकर ने कहा, मेरे लिए चीजें बिल्कुल स्पष्ट हैं। इसलिए, मैं इस मौके पर अपनी स्थिति स्पष्ट करना चाहता हूं। जहां तक पाकिस्तान का सवाल है, हमारे संबंध, उनके साथ पूरी तरह से द्विपक्षीय रहेंगे। उन्होंने कहा, कई वर्षों से यह राष्ट्रीय सहमति है और इस सहमति में कोई बदलाव नहीं आया है कि पाकिस्तान के साथ संबंध द्विपक्षीय होंगे। जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह बात ''बहुत स्पष्ट'' कर दी है कि पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत केवल आतंकवाद पर ही होगी।

पाकिस्तान से केवल आतंकवाद और पीओके पर बात होगी : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर ही होगी। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद कश्मीर की अपनी पहली यात्रा पर आए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत सशस्त्र बलों की मदद से जल्द ही क्षेत्र से आतंकवाद का सफाया कर देगा।

सिंह ने कश्मीर दौरे के दौरान बादामी बाग छावनी की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा, श्रीनगर के बादामी बाग छावनी में बहादुर भारतीय सेना के जवानों के साथ अद्भुत बातचीत हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को फिर से परिभाषित किया है कि भारतीय धरती पर किसी भी हमले को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। उन्होंने कहा, आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकती; पाकिस्तान के साथ बातचीत केवल आतंकवाद और पीओके पर ही होगी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आज भारत ने पूरी दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ हम किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और देश की जनता हर कदम पर, हर स्थिति में सशस्त्र बलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। सिंह ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि सेना के सहयोग से भारत जल्द ही क्षेत्र से आतंकवाद का सफाया कर देगा, ताकि कोई भी देश की संप्रभुता पर बुरी नजर डालने की हिम्मत न कर सके।

रक्षामंत्री ने अपनी यात्रा के दौरान 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए नागरिकों तथा ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

परमाणु हथियार पर टिप्पणी : पाकिस्तान ने की आलोचना

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उसके परमाणु शस्त्रागार पर टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी के अधिकार और जिम्मेदारियों के प्रति उनकी ''सरासर अज्ञानता'' को दर्शाता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली बार बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर गए राजनाथ सिंह ने श्रीनगर पहुंचने के कुछ देर बाद ही टिप्पणी की कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की निगरानी में लाया जाना चाहिए, क्योंकि वे ऐसे दुष्ट देश में सुरक्षित नहीं हैं। सिंह की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस बयान के कुछ दिनों बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत पाकिस्तान द्वारा किए गए ''परमाणु ब्लैकमेल'' को बर्दाश्त नहीं करेगा तथा सीमापार आतंकवाद को कड़ी सजा देगा।

पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को आईएईए की निगरानी में लिया जाना चाहिए

श्रीनगर/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के हाथ में परमाणु आयुधों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि इन्हें अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी में लिया जाना चाहिए। रक्षा मंत्री की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस बयान के कुछ दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत पाकिस्तान द्वारा किए जाने वाले ''न्यूक्लियर ब्लैकमेल'' को सहन नहीं करेगा तथा सीमापार आतंकवाद का करारा जवाब दिया जायेगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जम्मू कश्मीर की अपनी पहली यात्रा पर आए रक्षा मंत्री ने सैनिकों से बातचीत में कहा कि इस अभियान ने आतंकी संगठनों और पाकिस्तान में उनके आकाओं को स्पष्ट तौर पर बता दिया कि वे खुद को कहीं भी सुरक्षित न समझें। सिंह ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का संकल्प कितना मजबूत है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने पाकिस्तान की परमाणु धमकी पर भी ध्यान नहीं दिया है।

पाकिस्तान में किसी परमाणु केंद्र से विकिरण का रिसाव नहीं हुआ : आईएईए

▪ **भारत के हमलों में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया था और इसके बाद इस तरह की खबरें आने लगीं कि यह बेस किराना हिल्स में एक भूमिगत परमाणु भंडारण केंद्र से जुड़ा है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक परमाणु निगरानी संस्था आईएईए ने कहा है कि भारत के साथ हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तान में किसी भी परमाणु केंद्र से कोई विकिरण रिसाव या उत्सर्जन नहीं हुआ।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का यह बयान सोशल मीडिया पर किए जा रहे इन दावों के बीच आया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के परमाणु अड्डों को निशाना बनाया था।

आईएईए के प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, आईएईए के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर, पाकिस्तान में किसी भी परमाणु केंद्र से कोई विकिरण रिसाव या उत्सर्जन नहीं हुआ है।

इससे पहले, वायु संचालन महानिदेशक (डीजीएओ) एयर मार्शल ए के भारती ने इन धारणाओं को खारिज कर दिया था कि भारत ने किराना हिल्स पर हमले किए जहां पाकिस्तान के परमाणु प्रतिष्ठान हैं। उन्होंने 12 मई को एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा था, हमने किराना हिल्स पर हमला नहीं किया है, वहां जो कुछ भी हो।

भारत के हमलों में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया था और इसके बाद इस तरह की खबरें आने लगीं कि यह बेस किराना हिल्स में एक भूमिगत परमाणु भंडारण केंद्र से जुड़ा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तरह के परमाणु संघर्ष को टालने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि भारत ने परंपरागत तरीके से सैन्य कार्रवाई की थी। साथ ही भारत ने परमाणु युद्ध की अटकलों को खारिज कर दिया था।

वक्फ कानून: अंतरिम राहत के मुद्दे पर 20 को सुनवाई करेगा न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं में अंतरिम राहत देने के मुद्दे पर 20 मई को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ 'वक्फ बाई यूजर' या 'वक्फ बाई डीड' द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने के अधिकार समेत तीन मुद्दों पर अंतरिम निर्देश पारित करने के मामले में दलीलें सुनेगी। दूसरा मुद्दा राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित याचिकाओं में उठाया गया जहां उनकी दलील है कि पदेन सदस्यों के अलावा केवल मुसलमानों को इसका परिचालन करना चाहिए।

पुलवामा में तीन आतंकी ढेर

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मुहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के अवंतीपुरा के नादेर त्राल इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सटीक सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी में तीन आतंकवादी मारे गए। सेना की चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, '' मारे गए आतंकवादियों की पहचान आसिफ अहमद शेख, आमिर नजीर वानी और यावर अहमद भट के रूप में हुई है, जिनके पास से एके श्रृखंला की तीन राइफल, बारह मैगजीन, तीन ग्रेनेड और लड़ाई में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री बरामद की गई है।''

हम अब भी राजग गठबंधन में हैं : पनीरसेल्वम

चेन्नई/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका गुट अब भी तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में है। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासन के बाद 'एआईएडीएमके वर्कर्स राइट्स रीट्रिवल कमेटी' का नेतृत्व कर रहे पनीरसेल्वम ने कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन बना रहेगा। यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद पनीरसेल्वम ने पत्रकारों से कहा, हमने भाजपा के साथ गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ा और हम अब भी गठबंधन में हैं। हमारे राजग में बने रहने का विरोध करने वालों की हमें चिंता नहीं है।

कतर में ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाक में तनाव 'खत्म करने में मदद' का दावा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दोहा/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव खत्म करने में मदद की।

कतर में अल-उदीद वायुसेना अड्डे पर अमेरिकी सैनिकों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, ...वैसे तो मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैंने ऐसा किया, लेकिन मैंने पिछले हफ्ते पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव खत्म करने में निश्चित रूप से मदद की, जो लगातार बढ़ता जा रहा था। उन्होंने कहा कि अचानक आपको अलग तरह की मिसाइल (दोनों देशों में तनाव) नजर आती हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इसे (तनाव को) खत्म करने में मदद की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मुझे उम्मीद है कि जब मैं दो दिन बाद यहां से जाऊंगा तो मुझे यह सुनने को नहीं मिलेगा कि यह बरकरार है, हालांकि मुझे लगता है कि समाधान हो चुका है।

पिछले शनिवार के बाद से यह छठी बार है, जब ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका की मध्यस्थता में भारत और पाकिस्तान संघर्ष-विराम के लिए राजी हुए।

भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर नौ आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले किए।

भारत की जवाबी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने आठ, नौ और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का प्रयास किया। इसके जवाब में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई सैन्य प्रतिष्ठानों पर जवाबी कार्रवाई की।

'ईरान के पास समझौते या हमले का सामना करने के बस दो ही विकल्प हैं'

दोहा(कतर)/भाषा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को ईरान पर दबाव बढ़ाते हुए चेतावनी दी कि उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर उत्पन्न गतिरोध का समाधान करने के लिए दो ही विकल्प है, पहला या तो समझौता करे या संभावित हवाई हमले के लिए तैयार रहे। ट्रंप ने कतर के शीर्ष कारोबारियों को संबोधित करते हुए कहा, हमे यह देखना चाहेंगे कि क्या हम ईरान की समस्या को बिना किसी ताकत के इस्तेमाल के समझदारी से हल कर सकते हैं। इसके केवल दो ही विकल्प हैं: बुद्धिमानी और ताकत। ट्रंप ने यह भी कहा कि कतर के सत्तारूढ़ अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कूटनीतिक समझौते के लिए दबाव डाल रहे थे।

कतर ईरान के साथ एक विशाल अपतटीय तेल और गैस क्षेत्र साझा करता है जो उसकी संपन्नता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ट्रंप ने कहा, मैंने कल रात कहा कि ईरान बहुत भाग्यशाली है कि उसके पास अमीर है क्योंकि वह वास्तव में उनके लिए लड़ रहे हैं। वह नहीं चाहते कि हम ईरान पर घातक कार्रवाई करें। वे कहते हैं कि आप समझौता कर सकते हैं। वे वास्तव में लड़ रहे हैं। मेरा अभिप्राय है कि और मेरा मानना है कि ईरान को अमीर को बहुत-बहुत धन्यवाद कहना चाहिए। एक अन्य बिंदु पर ट्रंप ने कहा, जहां तक ईरान का सवाल है तो वे अच्छा ड्रोन बनाते हैं।

भारत में आईफोन का विनिर्माण संयंत्र नहीं चाहते ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/दोहा/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक से भारत में आईफोन का उत्पादन बंद करने और इसके बजाय अमेरिका में आईफोन बनाने को कहा है।

एप्पल अमेरिका में स्मार्टफोन का उत्पादन नहीं करती है। इसके अधिकांश आईफोन चीन में बनाए जाते हैं, जबकि भारत में स्थित संयंत्रों में सालाना लगभग चार करोड़ इकाई (एप्पल के वार्षिक उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत) का उत्पादन होता है।

राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में स्थानीय विनिर्माण पर जोर दे रहे ट्रंप ने कहा कि एप्पल 'अमेरिका में अपना उत्पादन बढ़ाएगी।'

कतर की राजधानी दोहा में ट्रंप के बयान के तुरंत बाद, भारत सरकार के अधिकारियों ने एप्पल के अधिकारियों से बात की। उन्होंने भारत के प्रशासनिक अधिकारियों को आश्वासन दिया है कि भारत के लिए एप्पल की निवेश योजनाएं बरकरार हैं और कंपनी भारत को अपने उत्पादों के लिए एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र बनाने का प्रस्ताव रखती है।

अमेरिकी के राष्ट्रपति ने दोहा में व्यापार गोलमेज सम्मेलन में कहा कि उन्हें एप्पल के सीईओ टिम कुक के साथ ''थोड़ी समस्या है। मैंने कुक से कहा है कि मैं नहीं चाहता कि आप भारत में आईफोन बनाएं।'

ट्रंप ने कहा, मैंने उनसे (कुक) कहा कि मेरे मित्र, मैं आपके साथ बहुत अच्छा व्यवहार कर रहा हूं। आप 500 अरब डॉलर लेकर आ रहे हैं, लेकिन अब मैं सुन रहा हूं कि आप भारत में विनिर्माण कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप भारत में विनिर्माण करें। यदि आप भारत का ख्याल रखना चाहते हैं तो आप भारत में विनिर्माण कर सकते हैं।

महाराष्ट्र के जलगांव में मालगाड़ी पटरी से उतरी, नंदुरबार- सूरत रेल मार्ग बाधित

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में बृहस्पतिवार दोपहर एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई, जिससे पश्चिम रेलवे के नंदुरबार-सूरत खंड की दोनों लाइनों पर रेल यातायात प्रभावित हुआ है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि चंद्रपुर जिले के गुगुस से गुजरात के गांधीनगर जा रही इस मालगाड़ी के इंजन समेत सात डिब्बे जलगांव जिले के अमलनेर स्टेशन पर दोपहर 2:18 बजे पटरी से उतर गए। यह स्थान मुंबई से करीब 350 किलोमीटर दूर है। उन्होंने कहा, हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मालगाड़ी के चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। उद्धना, भुसावल और नंदुरबार से दुर्घटना राहत ट्रेनें (एआरटी) और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। परिचालन बहाल करने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस घटना के चलते नंदुरबार-सूरत मार्ग की दोनों लाइनें अवरुद्ध हैं।

अमित शाह ने एम्स जाकर नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में घायल हुए पांच सुरक्षा बलों से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का दौरा किया और छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान घायल हुए पांच सुरक्षा बलों से मिलकर उनका हालचाल जाना। सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर स्थित कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों (केजीएच) में चलाए गए 21 दिनों के नक्सल विरोधी अभियान 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के दौरान घायल हुए थे।

सूत्रों ने कहा कि शाह दिल्ली एम्स के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे, घायल सुरक्षा बलों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली और उनका इलाज कर रहे चिकित्सकों से भी बात की। एम्स दिल्ली में 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के दौरान घायल हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन कोबरा कमांडो, एक सीआरपीएफ जवान और छत्तीसगढ़ पुलिस के एक जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) का इलाज किया जा रहा है। इनमें 204 कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट सागर बोराडे, 203 कोबरा बटालियन के हेड कांस्टेबल मुनीश चंद शर्मा, 204 कोबरा बटालियन के कांस्टेबल धनु राम, सीआरपीएफ की 196 बटालियन के कांस्टेबल कृष्ण कुमार गुर्जर और डीआरजी कांस्टेबल संतोष मुरामी शामिल हैं।

ट्रंप की शुल्क संबंधी घोषणा पर प्रधानमंत्री चुप हैं: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस घोषणा पर पूरी तरह चुप हैं कि भारत ने अमेरिकी वस्तुओं पर सभी शुल्क हटाने की पेशकश की है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, वाणिज्य मंत्री वाशिंगटन डीसी में हैं और राष्ट्रपति ट्रंप ने दोहा से एक और बड़ी घोषणा की है। हमारे प्रधानमंत्री पूरी तरह चुप हैं। उन्होंने क्या सहमति दी है? और ऑपरेशन सिंदूर को रोकने से इसका क्या संबंध है?'' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कतर में दावा किया कि भारत ने अमेरिकी वस्तुओं पर सभी शुल्क हटाने की पेशकश की है। उन्होंने व्यापार गोलमेज सम्मेलन में यह भी कहा कि उन्हें एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक के साथ ''थोड़ी समस्या'' है और उन्होंने कुक से कहा है कि वह नहीं चाहते कि वह भारत में आईफोन बनाएं।

पुणे के पास रात्रि पाली में कार्यालय जा रही महिला से बलात्कार, एक गिरफ्तार

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र में पुणे जिले के चाकन इलाके में रात्रि पाली के लिए काम पर जा रही 27 वर्षीय महिला से एक व्यक्ति ने कथित तौर पर बलात्कार किया और मारपीट की। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान प्रकाश भांगरे के रूप में हुई है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि कथित घटना मंगलवार रात करीब 11.45 बजे की है। पुलिस उपायुक्त (जोन-1) शिवाजी पवार ने कहा, महिला मेदनकरवाड़ी इलाके में बस पिक-अप पॉइंट की ओर जा रही थी, तभी आरोपी ने उसे रोक लिया और एक वाणिज्यिक परिसर के पीछे खींच लिया, जहां कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया।

पहले मासिक रोजगार आंकड़े जारी, अप्रैल में भारत की बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में पहली बार मासिक आधार पर मापी गई बेरोजगारी की दर इस साल अप्रैल में 5.1 प्रतिशत रही। बृहस्पतिवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने वास्तविक समय में देश में नौकरियों के लिए पात्र लोगों में बेरोजगार लोगों के अनुपात की निगरानी के प्रयासों के तहत पहला मासिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) जारी किया।

इसके पहले तक श्रम बल सर्वेक्षण तिमाही और वार्षिक आधार पर ही जारी किया जाता था। वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में एकत्र हालिया आंकड़ों से पता चला है कि अप्रैल, 2025 के दौरान प्रत्येक आयु वर्ग के व्यक्तियों की बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत रही। पुरुषों में बेरोजगारी की दर 5.2 प्रतिशत रही, जबकि महिलाओं में यह दर पांच प्रतिशत रही।

इस दौरान देश भर में 15-29 आयु वर्ग के लोगों में बेरोजगारी दर 13.8 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 17.2 प्रतिशत, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 12.3 प्रतिशत थी। सीडब्ल्यूएस का आशय सर्वेक्षण की तारीख से पहले के सात दिन में निर्धारित गतिविधि स्थिति से है। अध्ययन से यह भी पता चला कि 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर पूरे देश में (ग्रामीण एवं शहरी) 14.4 प्रतिशत थी, जबकि शहरों में यह 23.7 और गांवों में 10.7 प्रतिशत थी। देश में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के पुरुषों में बेरोजगारी दर 13.6 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि शहरों में यह 15 प्रतिशत और गांवों में 13 प्रतिशत थी।

आंध्र सरकार ने अमरावती निर्माण के लिए 2,100 करोड़ रुपए जारी करने को मंजूरी दी

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश सरकार ने बृहस्पतिवार को अमरावती राजधानी शहर विकास परियोजना के वास्ते 2025-26 की पहली तिमाही के लिए 2,100 करोड़ रुपए जारी करने की प्रशासनिक मंजूरी दे दी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (सीआरडीए) के आयुक्त के. कन्ना बाबू ने एक सरकारी आदेश में कहा कि वित्त (बजट) विभाग ने वित्त वर्ष 2026 के लिए बजट जारी करने का आदेश दिया है और ग्रीनफील्ड राजधानी शहर के निर्माण के लिए विभिन्न मद के तहत 6,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है।

आदेश के मुताबिक, 6,000 करोड़ रुपए में से 2025-26 की पहली तिमाही के लिए 2,100 करोड़ रुपए जारी करने की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है।

कन्ना बाबू के अनुसार, ये धनराशि शहरी विकास, राज्य राजधानी विकास, निर्माण कार्य, सहायता प्राप्त परियोजनाओं, प्रमुख कार्यों और ग्रीनफील्ड राजधानी अमरावती में अन्य कार्यों के लिए पूंजीगत परिव्यय के लिए है। अमरावती मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का 'ड्रीम प्रोजेक्ट' है।

विजय शाह के बारे में संजय राउत के बयान से पूरे शाह समुदाय का अपमान हुआ: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत ने मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के बारे में दिए गए बयान से पूरे शाह समुदाय का अपमान किया है। राउत ने कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में दिए गए बयान के लिए शाह पर निशाना साधते हुए कहा था कि कोई भी शाह देशभक्त नहीं है।

राउत ने मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए शाह को मंत्रिपद से हटाने और मध्य प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। उन्होंने कहा, यह विजय शाह ऐसे ही बातें करता रहेगा क्योंकि वह तो शाह है। इसके बाद उन्होंने कहा, कोई भी शाह देशभक्त नहीं है...मैं बार-बार शाह कह रहा हूं। ये वो लोग हैं जो पीछे से वार करते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राउत के

बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे अशोभनीय और जातिवादी करार दिया और आरोप लगाया कि उन्होंने पूरे शाह समुदाय का अपमान किया है। शिवसेना (उबाठा) के नेता की टिप्पणी का एक वीडियो क्लिप पोस्ट करते हुए भंडारी ने कहा, यह राजनीतिक आलोचना नहीं है, यह एक विशिष्ट उपनाम और समुदाय के खिलाफ नफरत है। शाह एक वीडियो में कर्नल कुरैशी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए नजर आ रहे हैं और इस वीडियो सामने आने के बाद से वह विवादों में घिर गए हैं।

मिस वर्ल्ड प्रतिभागियों के पैर धोने में मदद करती महिलाओं के वीडियो पर बीआरएस ने आपत्ति जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के रामप्पा मंदिर में मिस वर्ल्ड प्रतिभागियों के पैर धोने में मदद करती कुछ महिलाओं का एक वीडियो सामने आया है जिससे विवाद खड़ा हो गया और विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने इस कृत्य की निंदा की।

राज्य के विरासत स्थलों की अपनी यात्रा के तहत प्रतिभागी बुधवार को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा प्राप्त ऐतिहासिक रामप्पा मंदिर गईं थीं। इस दौरान वे साड़ी पहने हुई थीं।

वीडियो में देख रहा है कि कुछ महिलाएं कतार में बैठी प्रतिभागियों के पैरों पर पानी डाल रही हैं और उनके पैर धुलवा रही हैं। एक महिला एक प्रतिभागी के पैर तौलिए से पोंछती हुई दिखी। यह वीडियो वायरल हो गया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने अपने 'एक्स' हैंडल पर वीडियो को दोबारा पोस्ट करते हुए कहा, कांग्रेस के मुख्यमंत्री का आधिकारिक तौर पर दिमाग खराब हो गया है।

पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक सविता इंद्र रेड्डी ने 'एक्स' पर डाली गई पोस्ट में इसे तेलंगाना की बेटियों का घोर अपमान बताया, जिस भूमि ने रुद्रमादेवी, सम्मक्का और सरलक्का जैसी वीर महिलाओं को जन्म दिया।

उन्होंने सरकार पर प्रहार करते हुए कहा, कांग्रेस सरकार ने राज्य की बेटियों की इज्जत तार-तार कर दी है। इस घटना ने न सिर्फ तेलंगाना को शर्मसार किया है, बल्कि दुनिया के सामने भारतीय महिलाओं की गरिमा को भी कलंकित किया है।

मिस वर्ल्ड का 'मुख्य कार्यक्रम' 31 मई को यहां आयोजित किया जाएगा। अपने प्रवास के दौरान, 100 से अधिक प्रतिभागी राज्य भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों का दौरा करेंगी।

कॉल न हो पाने और कट जाने से 89 प्रतिशत मोबाइल उपयोगकर्ता परेशान : सर्वेक्षण

नई दिल्ली/भाषा। लगभग 89 प्रतिशत मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट होने में समस्या के अलावा कॉल अचानक कट जाने की स्थिति का भी सामना करना पड़ा है जबकि 40 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने अक्सर ऐसी स्थिति आने की शिकायत की है।

लोकल सर्किल्स के एक सर्वेक्षण रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। लोकल सर्किल्स ने पिछले तीन महीनों में एक सर्वेक्षण किया था कि क्या कॉल कनेक्टिविटी से संबंधित नए नियम आने से कोई अपेक्षित प्रभाव पड़ा है। सर्वेक्षण में भारत के 342 जिलों में रहने वाले लोगों से 56,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। सर्वेक्षण में शामिल 89 प्रतिशत मोबाइल उपभोक्ताओं ने कॉल कनेक्ट न होने और कॉल कट जाने की समस्या का सामना करने की बात कही जबकि 40 प्रतिशत उपभोक्ताओं को अक्सर इसका सामना करना पड़ता है। सर्वेक्षण के नतीजे बताते हैं कि कॉल कनेक्ट न होने और बीच में ही कट जाने की समस्या में पिछले 12 महीनों में कोई सुधार नहीं हुआ है। कॉल जुड़ने में समस्या और अचानक कॉल कटने के कारण उपभोक्ताओं को कई बार डेटा/वाई-फाई कॉल (व्हाट्सएप, फेसटाइम, स्काइप) करने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि वे नियमित मोबाइल नेटवर्क से जुड़ नहीं पा रहे थे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए भाजपा ने कश्मीर घाटी में निकाली 'तिरंगा' रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने में सशस्त्र बलों की सफलता का जश्न मनाने के लिए बृहस्पतिवार को घाटी में कई स्थानों पर 'तिरंगा' रैली आयोजित कीं।

श्रीनगर, पहलगाम और कुपवाड़ा में रैलियां निकाली गईं।

श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ता शेर-ए-कश्मीर पार्क में एकत्र हुए और रैली की शुरुआत की, जो लाल चौक ऐतिहासिक घंटाघर के निकट समाप्त हुई।

संवाददाताओं से बात करते हुए भाजपा के जम्मू-कश्मीर के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि यह रैली 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न है। उन्होंने कहा, यह भारतीय सेना की जीत का जश्न है। हमारे बलों ने अपने साहस का परिचय दिया और ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाया। उन्होंने पाकिस्तान के अंदर आतंकवाद की फैक्ट्रियों को नष्ट कर दिया।

ठाकुर ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दुनिया को संदेश दिया है कि वह अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने कहा, हमने यह संदेश भी दिया है कि यदि आप आतंकवाद में लिप्त हैं, तो हम आपको मिटा देंगे।

पहलगाम पर्यटक रिसॉर्ट में भी इसी तरह की रैलियां आयोजित की गईं, जहां 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। मृतकों में से अधिकतर पर्यटक थे। इस हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था।

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा में भी इसी तरह की रैली आयोजित की गई।

सरकार तुर्किये और अजरबैजान जाने वाले लोगों को हतोत्साहित कर सकती है: सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। आने वाले दिनों में तुर्किये और अजरबैजान में भारतीय पर्यटकों की संख्या, डेस्टिनेशन वेडिंग' के आयोजन और भारतीय फिल्मों की शूटिंग में उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है, क्योंकि सरकार लोगों को उन दोनों देशों में जाने के लिए हतोत्साहित कर सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। तुर्किये और अजरबैजान ने हाल के संघर्ष में पाकिस्तान का सक्रिय रूप से समर्थन किया था। दोनों देशों ने पाकिस्तान का समर्थन किया और 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत उस देश और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों पर भारत के हमलों की निंदा की।

पाकिस्तान ने संघर्ष में बड़े पैमाने पर तुर्किये के ड्रोन का भी इस्तेमाल किया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) समेत कई शैक्षणिक संस्थानों ने या तो तुर्किये के विश्वविद्यालयों के साथ अपने सहयोग को निलंबित कर दिया है या इस पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हर साल बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटक तुर्किये और अजरबैजान की यात्रा करते हैं, जिससे उन्हें अच्छी खासी आय होती है।

तुर्किये की एयरलाइन के साथ साझेदारी से भारतीय यात्रियों को कई लाभ: इंडिगो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बृहस्पतिवार को कहा कि टर्किश एयरलाइंस के साथ उसकी साझेदारी से भारतीय यात्रियों और देश की अर्थव्यवस्था को कई लाभ मिलते हैं क्योंकि इससे कनेक्टिविटी बेहतर होती है और अंतरराष्ट्रीय यात्रा भी अधिक किफायती हो जाती है।

इंडिगो की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब पाकिस्तान का समर्थन करने और आतंकी ठिकानों पर भारत के हालिया हमलों की तुर्किये द्वारा निंदा करने के बाद कुछ हलकों में तुर्किये के सामान और पर्यटन का बहिष्कार करने की मांग उठ रही है। कुछ ऑनलाइन यात्रा सुविधा मंचों और संगठनों ने भी लोगों को तुर्की न जाने की सलाह जारी की है। फिलहाल इंडिगो टर्किश एयरलाइंस से किराये पर लिए गए दो विमानों के साथ इस्तांबुल के लिए सीधी उड़ानें संचालित करती है। इसके अलावा यह यूरोप और अमेरिका में 40 से अधिक स्थानों पर कोडशेयर सीटें भी मुहैया कराती है।

कोडशेयर भागीदारी के तहत एयरलाइन अपने यात्रियों को अपनी साझेदार एयरलाइन पर बुक कर सकती है और टिकट एक ही रहता है। इंडिगो के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि भारत और तुर्किये के बीच जारी हवाई यातायात को द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते (एएसए) और भारत से अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाओं के समग्र निर्माण के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। एएसए के तहत तुर्किये और भारत की एयरलाइंस को दोनों देशों के बीच प्रति सप्ताह कुल 56 उड़ानें संचालित करने की अनुमति मिली है। घरेलू एयरलाइंस भारत से तुर्किये और तुर्किये से भारत के लिए हर सप्ताह 14-14 उड़ानें

दिल्ली में ऑनलाइन नौकरी घोटाले का भंडाफोड़, सरगना समेत 13 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने एक अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है जो नौकरी चाहने वालों को पैसों का लालच देकर उनके साथ धोखाधड़ी करता था। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक इस सिलसिले में ऑनलाइन नौकरी घोटाले के सरगना समेत 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने नौकरी चाहने वाले लोगों को प्रशिक्षण, दस्तावेजीकरण और किट वितरण जैसी विभिन्न फर्जी प्रक्रियाओं के लिए भुगतान करने का लालच दिया। पुलिस उपायुक्त देवेश कुमार ने कहा, यह कार्रवाई एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई, जिसने चिकित्सा क्षेत्र में नौकरी की तलाश करते हुए जनवरी में शाइन.कॉम और नौकरी.कॉम पर अपनी निजी जानकारियां अपलोड की थीं।

सत्ताइस जनवरी को उसे एक महिला का फोन आया जिसने खुद को प्रिया बताया और उसे नौकरी का प्रस्ताव दिया तथा 500 रुपए की राशि मांगी।

वन भूमि की स्थिति की जांच के लिए राज्य एसआईटी गठित करें : शीर्ष अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को यह पता लगाने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का निर्देश दिया कि क्या कोई आरक्षित वन भूमि गैर-वानिकी उद्देश्यों के लिए किसी निजी पक्ष को आवंटित की गई है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को ऐसी भूमि का कब्जा वापस लेने और उसे वन विभाग को सौंपने के लिए कदम उठाने का भी निर्देश दिया।

पीठ ने कहा, अगर यह पाया जाता है कि भूमि का कब्जा वापस लेना व्यापक जनहित में नहीं होगा, तो राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों की सरकारों को उक्त भूमि की कीमत उन व्यक्तियों/संस्थाओं से वसूलनी चाहिए, जिन्हें वह भूमि आवंटित की गई है तथा प्राप्त राशि का इस्तेमाल वनों के विकास के लिए करना चाहिए।

पीठ ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और केंद्र-शासित प्रदेशों के प्रशासकों को विशेष टीम गठित करने का भी निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसे सभी हस्तांतरण आज से एक साल के भीतर हो जाएं।

उसने स्पष्ट किया कि ऐसी भूमि का इस्तेमाल केवल वनरोपण के लिए किया जाना चाहिए।

पीठ ने कहा, हम सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और सभी केंद्र-शासित प्रदेशों के प्रशासकों को यह जांच करने के लिए विशेष जांच दल गठित करने का निर्देश देते हैं कि क्या राजस्व विभाग के स्वामित्व वाली आरक्षित वन भूमि को वानिकी उद्देश्य के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए किसी निजी व्यक्ति/संस्था को आवंटित किया गया है।

शीर्ष अदालत ने पुणे में आरक्षित वन भूमि से जुड़े मामले में दिए गए फैसले में यह निर्देश जारी किया।

पीठ ने कहा, मौजूदा मामला इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि किस तरह नेताओं, नौकरशाहों और बिल्डर के बीच साठगांठ के चलते पिछड़े वर्ग के लोगों के पुनर्वास की आड़ में बहुमूल्य वन भूमि को वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए आवंटित किया जा सकता है, जिनके पूर्वजों से सार्वजनिक उद्देश्य के लिए कृषि भूमि अधिग्रहीत की गई थी।

सरकार कश्मीर में पर्यटकों की वापसी के लिए हर संभव प्रयास करेगी: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने कहा कि सरकार कश्मीर में पर्यटकों की वापसी के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में कमी आई है। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी जिनमें ज्यादातर पर्यटक शामिल थे। नायडू ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ान परिचालन की समीक्षा की। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को रोकने पर बनी सहमति के बाद बुधवार को श्रीनगर हवाई अड्डे पर परिचालन फिर से शुरू हो गया। नायडू ने कहा, मैं हवाई अड्डे के बाहर भी घूमना चाहता था। इसलिए, मैं पोलो व्यू बाजार गया और स्थानीय लोगों से बातचीत की। वे पर्यटन को हुए नुकसान को लेकर चिंतित हैं। घटना (पहलगाम हमले) के बाद पर्यटन में गिरावट आई है और हमें इसे पुनर्जीवित करने के लिए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में कश्मीर में पर्यटन में तेजी आई है, जिसका श्रेय श्रीनगर हवाई अड्डे पर आने वाले पर्यटकों को जाता है। नायडू ने कहा, हवाई अड्डों पर आने वाले यात्रियों की संख्या 2019 में 25 लाख से बढ़कर 2024 में लगभग 45 लाख हो गई। इससे यहां के लोगों को फायदा हुआ है। सरकार जल्द से जल्द पर्यटन को बहाल (हमले से पहले की स्थिति) करने की कोशिश करेगी और इसे और बढ़ावा भी देगी। उन्होंने कहा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय से जो भी सहायता की आवश्यकता होगी, हम प्रदान करेंगे। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में काम कर रहे हैं, जिन्होंने एक दूरदृष्टि के साथ कश्मीर को आगे बढ़ाया है और लोगों को इसका लाभ मिला है।

भारत ने दिखाया कि 'अहिंसक युद्ध' कैसे लड़ा जाता है : अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान महात्मा गांधी के अहिंसा के सिद्धांत का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि दुनिया ने देखा कि पहलगाम में 22 अप्रैल को की गई हत्याओं का बदला लेने के लिए ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू किया गया और ये निर्धारित लक्ष्य को लेकर ही चला, जबकि उसके अलावा पाकिस्तान में किसी निर्दोष की जान नहीं गई।

अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने दुनिया को दिखाया कि युद्ध के दौरान महात्मा गांधी के अहिंसा के सिद्धांत को कैसे लागू किया जाए। यह सबसे अहिंसक युद्ध था। हमने सिर्फ उन लोगों को निशाना बनाया, जिन्हें हम ढेर करना चाहते थे।'' उन्होंने दावा किया है कि एक भी निर्दोष व्यक्ति की जान नहीं गई। भाजपा सांसद ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को युद्ध की नयी बारीकियां सिखाई हैं। जब उनसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान के बारे में पूछा गया कि उन्होंने शांति स्थापित की है, तो अग्रवाल ने कहा कि केवल ट्रंप ही जानते हैं कि उन्होंने क्या किया है।

मल्लेश्वरम् में निकली तिरंगा यात्रा

भाजपा महासचिव ने कहा, ''जब कोई ट्रेन रेलवे स्टेशन पर रुकती है, तो कुछ बच्चे उतरते हैं और उसे धक्का देते हैं। जब ट्रेन फिर से चलती है, तो बच्चे चिल्लाते हैं कि उन्होंने ट्रेन को धक्का देकर चलाया। ट्रंप का व्यवहार 'प्लेटफॉर्म' पर मौजूद बच्चों की तरह ही बचकाना है। भाजपा ट्रंप के हस्तक्षेप को खारिज करती है।'' अग्रवाल ने कहा कि ट्रंप भारत के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए समस्या हैं। अग्रवाल ने याद दिलाया कि मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने अपने भारतीय समकक्ष से बात की थी। उन्होंने दावा किया कि जब भारतीय डीजीएमओ ने कोई जवाब नहीं दिया तो पाकिस्तानी डीजीएमओ ने उन्हें दोबारा फोन किया और युद्ध रोकने के लिए उनसे विनती की तथा कहा कि अब बहुत हो गया।

अग्रवाल ने कहा, ''हमारी रणनीति पाकिस्तान के लोगों को मारना नहीं थी। हम उन्माद फैलाने वाली हिंसा में विश्वास नहीं करते। हमारा लक्ष्य एक संदेश देना और आतंकवादियों, उनके अड्डों, उनके आतंकी ठिकानों और उन्हें पनाह देने वालों को दंडित करना था। हमने अपने उद्देश्य हासिल कर लिए।''

शहर में गुरुवार को आयोजित तिरंगा यात्रा में बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। सैकड़ों नेताओं, बेंगलूरु के नागरिकों, स्कूल और कॉलेज के छात्रों और महिलाओं सहित हजारों लोगों ने शहर के मल्लेश्वरम् स्थित मंत्री मॉल में संपीगे रोड पर सिरूर खेल के मैदान से मल्लेश्वरम् 18वें क्रॉस तक निकाली गई तिरंगा यात्रा में भाग लिया। लोग सैन्य अभियान के प्रति अपना समर्थन दिखाने के लिए विशाल तिरंगे झंडे के नीचे एकत्र हुए। तिरंगा यात्रा में कर्नाटक राज्य प्रभारी और राज्यसभा सदस्य डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल के साथ राज्य सह-प्रभारी सुधाकर रेड्डी, विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलुवादी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वत्थनारायण, विधान परिषद विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, सांसद पी.सी. मोहन, विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि, विधायक एन. मुनिरत्ना, एस. मुनिराजू, पूर्व सांसद एस. मुनिस्वामी, सेवानिवृत्त एयर मार्शल ए.वी. मुरली, प्रसिद्ध वकील श्रीमती क्षमा नरगुंदा, स्त्री जागृति समाचार पत्र की संपादक श्रीमती एच.जी. शोभा, पार्टी नेता, कॉलेज के छात्र और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लोकायुक्त ने कर्नाटक में 30 स्थानों पर मारे छापे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। लोकायुक्त ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु सहित राज्य के 30 से अधिक स्थानों पर छापा मारा है। निशाने पर राज्य सरकार में कार्यरत सात सरकारी अफसर हैं। लोकायुक्त के द्वारा राज्य के अधिकारियों के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के बारे में मिली सूचना के बाद छापेमारी की जा रही है। बेंगलूरु में 12 स्थानों, तुमकुरु में 7, यादगीर में 5, मंगलूरु में 4 और विजयपुरा जिले में 4 स्थानों पर छापे मारे जा रहे हैं। इन स्थानों में तुमकुरु में निर्मिति केंद्र के परियोजना निदेशक, मंगलूरु में एक सर्वेक्षण पर्यवेक्षक और डॉ. बी.आर. अंबेडकर विकास निगम से जुड़ी एक वरिष्ठ महिला अधिकारी के आवास और कार्यालय शामिल हैं। बेंगलूरु शहर और ग्रामीण नियोजन निदेशालय से जुड़े अतिरिक्त निदेशक, लीगल मेट्रोलॉजी से जुड़े एक निरीक्षक, होसाकोटे तालुक कार्यालय में एक द्वितीय श्रेणी सहायक और यादगीर तालुक कार्यालय में एक कर्मचारी के आवास पर भी छापे मारे जा रहे हैं।

कलबुर्गी शहर के अक्कमहादेवी लेआउट इलाके में यादगीर जिले के तहसीलदार के आवास और संपत्तियों की तलाशी ली जा रही है। अधिकारियों के रिश्तेदारों के परिसरों पर भी छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में लोकायुक्त की ओर से आधिकारिक बयान फिलहाल नहीं आया है। इनमें होसकोटे तालुक कार्यालय में कार्यरत अनंत कुमार और शाहपुर तालुक दफ्तर में कार्यरत उमाकांत भी शामिल हैं। लोकायुक्त सूत्रों ने बताया कि छापों में अचल संपत्तियों और बेहिसाब नकदी, आभूषण, महंगे वाहनों से संबंधित कई दस्तावेज जब्त किए गए।

इसके पहले 8 जनवरी को लोकायुक्त अधिकारियों ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में कर्नाटक के सात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ एक साथ छापेमारी की थी। बेंगलूरु, चिक्कमगलुरु, बीदर, बेलगावी, गदग, बल्लारी, रायचूर, बागलकोट और तुमकुरु 9 जिलों में छापेमारी की गई थी। गत 31 जनवरी को लोकायुक्त के अधिकारियों ने राज्य के चार जिलों के सात स्थानों पर छापेमारी की थी। बेंगलूरु, बेलगावी, रायचूर और बागलकोट जिलों में एक साथ छापेमारी की गई थी। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में सरकारी अधिकारियों के आवासों और संपत्तियों पर छापेमारी की गई थी। इन अधिकारियों में एक प्रभारी उप-पंजीयक भी शामिल था।

बेंगलूरु के प्रशासन के लिए नगर निगमों की संख्या पर चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि बृहत बेंगलूरु शासन अधिनियम बृहस्पतिवार से प्रभावी हो गया है और शहर के लिए नगर निगमों की संख्या पर निर्णय आगे की चर्चा के बाद लिया जाएगा। अधिनियम में शहर पर शासन के लिए अधिकतम सात नगर निगमों के गठन का प्रावधान है। हालांकि संकेत मिले हैं कि सरकार तीन निगमों के गठन पर निर्णय ले सकती है। सिद्दरामय्या ने कहा, ''बृहत बेंगलूरु शासन अधिनियम आज से लागू हो रहा है... इस पर एक विधेयक राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया था और राज्यपाल ने इसे अपनी मंजूरी दे दी है।'' सिद्दरामय्या ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर वह बृहत बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) के अध्यक्ष होंगे। उन्होंने कहा, बैठक करने के बाद हम निर्णय लेंगे कि कितने निगम बनाए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने जब अपने अपर मुख्य सचिव एल के अतीक से पूछा कि क्या तीन निगमों का गठन किया जा रहा है, तो उन्होंने जवाब दिया, इस पर अभी निर्णय होना बाकी है, तब तक बीबीएमपी (बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका) अस्तित्व में रहेगी। राज्य सरकार ने बुधवार को अधिसूचित किया कि बृहत बेंगलूरु शासन अधिनियम- 2024, 15 मई से लागू होगा। इसमें हालांकि, स्पष्ट किया गया कि सभी पदाधिकारियों के पास बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) अधिनियम, 2020 के तहत प्रदत्त समान शक्तियां और कर्तव्य तब तक बने रहेंगे, जब तक कि नया कानून पूरी तरह से प्रभावी नहीं हो जाता।

देश की ढाई लाख छात्राओं को दी जाएगी अज़ीम प्रेमजी छात्रवृत्ति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने गुरुवार को स्कूल के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्राओं को सहायता देने के लिए अजीम प्रेमजी छात्रवृत्ति की घोषणा की। फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुराग बेहर ने बताया कि जिन लड़कियों ने कक्षा 10 और 12 की शिक्षा सरकारी स्कूलों में प्राप्त की है और किसी उच्च शिक्षा संस्थान में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स करना चाहती हैं वे सभी जरुरतमंद छात्राएं इस छात्रवृत्ति को प्राप्त कर सकती है। फाउंडेशन डिग्री या डिप्लोमा कार्यक्रम की अवधि के दौरान लाभार्थी छात्रा को प्रतिवर्ष 30 हजार रुपए की सहायता देगा, जब तक लड़की सफलतापूर्वक कार्यक्रम जारी रखती है। यह धनराशि हर वर्ष दो किस्तों में सीधे लड़कियों के बैंक खाते में स्थानांतरित की जाएगी। वह आवश्यकतानुसार धन का उपयोग कर सकती है। फाउंडेशन देश के 18 राज्यों में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में लगभग 2.5 लाख लड़कियों को छात्रवृत्ति प्रदान करेगा।

बेहर ने बताया कि देश के अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की छात्राएं इस पहल से लाभान्वित होंगी। बेहर ने कहा कि अच्छी स्कूली शिक्षा जीवन के लिए आधारभूत है, जबकि उच्च शिक्षा जीवन में सामाजिक और आर्थिक संभावनाओं को बदलती है। भारत ने जो भी प्रगति की है, उसके बावजूद लड़कियों को शिक्षा के सभी स्तरों पर विभिन्न सामाजिक और वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। हम लड़कियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता करने के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान कर रहे हैं।

यूएएस बेंगलूरु दीक्षांत समारोह

छात्र और वैज्ञानिक कृषि विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं : थावरचन्द गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत कृषि नवाचार में एक वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है, और इस परिवर्तन को आगे बढ़ाने में छात्रों और वैज्ञानिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय (यूएएस), बेंगलूरु के 59वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा। स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कृषि उत्पादन में बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए नए तकनीकी समाधानों की खोज करने और उन्हें अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, वर्टिकल फार्मिंग सीमित भूमि का उपयोग करके उपज बढ़ाने की महत्वपूर्ण क्षमता प्रदान करती है। इसी तरह, ड्रोन प्रौद्योगिकी, उपग्रह इमेजरी और स्मार्ट सिंचाई प्रणालियों जैसे डिजिटल उपकरणों का उपयोग जल संरक्षण करते हुए उत्पादकता बढ़ा सकता है।

गहलोत ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थानों जैसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, ने किसानों की आय बढ़ाने वाली उन्नत बीज किस्मों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने के महत्व पर भी बल दिया तथा मिट्टी, जल और मानव स्वास्थ्य पर इनके हानिकारक प्रभाव का हवाला दिया। उन्होंने कहा, ''जैविक, प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल खेती जैसी टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने से सुरक्षित खाद्य उत्पादन सुनिश्चित होगा, पर्यावरण की रक्षा होगी और न्यूनतम जल उपयोग से पैदावार बढ़ेगी।'' जलवायु परिवर्तन, जल की कमी और मृदा क्षरण की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कृषि स्नातकों, वैज्ञानिकों, नवप्रवर्तकों और नीति निर्माताओं से इन ज्वलंत मुद्दों के समाधान के लिए सामूहिक रूप से काम करने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी राष्ट्रीय पहलों को अपनाने और जैविक उत्पाद विपणन, खेत से बाजार मॉडल, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स और कृषि पर्यटन जैसे क्षेत्रों में कृषि स्टार्टअप के माध्यम से योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा, भारत में कृषि उत्पादन, नवाचार और नीति नेतृत्व का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता है। मैं छात्रों से किसानों के उत्थान और इस क्षेत्र की उन्नति के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह करता हूं। राज्यपाल ने अनुसंधान, नवाचार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलूरु की प्रशंसा की। उन्होंने कृषि, किसान कल्याण और राष्ट्रीय विकास में उनके विशिष्ट योगदान के लिए मानद उपाधि प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी। दीक्षांत समारोह में मंत्री एन. चलुवनारायणस्वामी, इफको के प्रबंध निदेशक डॉ. यूएस अवस्थी, चांसलर डॉ. एसवी सुरेश और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

गदग-कुष्टगी के बीच नई रेल लाइन का हुआ उद्घाटन

केन्द्रीय मंत्री सोमण्णा ने कुष्टगी-एसएसएस हुब्बल्ली के बीच नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। कर्नाटक में रेल अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए, केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने गुरुवार को कुष्टगी रेलवे स्टेशन पर गदग (तलाकल)-कुष्टगी (56 किमी) नई रेल लाइन का उद्घाटन किया। समारोह के हिस्से के रूप में, उन्होंने कुष्टगी और एसएसएस हुब्बल्ली स्टेशनों के बीच ट्रेन संख्या 17328 के उद्घाटन रन को भी हरी झंडी दिखाई।

कुष्टगी और सिंधनूर में एक सभा को संबोधित करते हुए, वी. सोमन्ना ने कर्नाटक में बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हाल ही में उद्घाटन की गई और आने वाली रेलवे लाइनें कनेक्टिविटी को बढ़ाएंगी, रोजगार पैदा करेंगी और क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगी। उन्होंने कर्नाटक सरकार की भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराने और परियोजना व्यय साझा करने के लिए सराहना की, इसे केंद्र-राज्य सहयोग के लिए एक मॉडल बताया। मंत्री ने पिछले 10 वर्षों में नई लाइन निर्माण, दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्यों में प्रगति सहित प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने घोषणा की कि 2025 तक 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल कर लिया जाएगा और वित्त वर्ष 2025 के लिए 7,564 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया है। उन्होंने हवाई अड्डे जैसी सुविधाओं के साथ रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण, कर्नाटक में 10 वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत के बारे में भी बात की और जल्द ही क्षेत्र के लिए एक और ट्रेन का आश्वासन दिया। उन्होंने आगे बताया कि दक्षिण पश्चिम रेलवे में कवच सुरक्षा प्रणाली लागू की गई है और कन्नड़ उम्मीदवार अब कन्नड़ में परीक्षा दे सकते हैं। उन्होंने प्रस्तावित अलमाटी-यादगीर रेलवे लाइन के लिए नए सर्वेक्षण को मंजूरी देने की घोषणा की और बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में विभिन्न चालू परियोजनाओं के लिए धनराशि निर्धारित की गई है। उन्होंने यह आश्वासन देकर समापन किया कि निकट भविष्य में सभी लेवल क्रॉसिंग गेट समाप्त कर दिए जाएंगे।

मंत्री बसवराज रायराड्डी ने नई रेलवे लाइन के उद्घाटन के लिए राज्य मंत्री की प्रशंसा की और इस परियोजना को क्षेत्र में लाने के लिए वर्षों से सामना की गई कई चुनौतियों को स्वीकार किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई लाइन कल्याण कर्नाटक क्षेत्र से कनेक्टिविटी में काफी सुधार करेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी। उन्होंने अधिकारियों से परियोजना के पूरा होने में तेजी लाने का आग्रह किया, गरीबों की सेवा में रेलवे के प्रयासों की सराहना की और नई उद्घाटन लाइन के विद्युतीकरण का अनुरोध किया। बाद में, मंत्री शिवराज तंगडगी ने प्रस्तावित दारोजी-अलमाटी नई रेलवे लाइन के लिए सर्वेक्षण का अनुरोध किया और इस क्षेत्र को बेंगलूरु से जोड़ने वाली एक और ट्रेन शुरू करने का आग्रह किया, उन्होंने कहा कि यहां के लोग काफी हद तक सड़क परिवहन पर निर्भर हैं और एक नई ट्रेन से स्थानीय आबादी को काफी लाभ होगा। मंत्री ने शिंदनूर रेलवे स्टेशन पर सिंधनूर-रायचूर (81 किमी) नई रेलवे लाइन की आधारशिला रखी, जो इस क्षेत्र में चल रहे रेलवे विस्तार के तहत एक और महत्वपूर्ण विकास को चिह्नित करता है।

56.1 किमी गदग (तलाकल)-कुश्तगी खंड, 257 किमी गदग (तलाकल)-वाडी नई लाइन परियोजना (2,841.84 करोड़) का हिस्सा है, जिसे 620 करोड़ की लागत से पूरा किया गया है। इसमें छह स्टेशन तलकल, कुकनूर, संगनल, येलबर्गा, हनुमापुर और कुश्तगी शामिल है। और इसे भारतीय रेलवे और कर्नाटक सरकार के बीच 50:50 लागत-साझाकरण के साथ निष्पादित किया जा रहा है, जिसने मुफ्त में जमीन भी उपलब्ध कराई है। 81 किलोमीटर लंबे सिंधनूर-रायचूर खंड की आधारशिला 165.57 किलोमीटर लंबे मुनिराबाद (गिनिगेरा)-रायचूर नई लाइन परियोजना के अगले चरण को चिह्नित करती है, जिसे 13,402.22 करोड़ की लागत से स्वीकृत किया गया है। कर्नाटक सरकार (भूमि लागत सहित) के साथ 50:50 लागत-साझाकरण के आधार पर कार्यान्वित, गिनिगेरा से सिंधनूर तक 84 किलोमीटर का काम पहले ही शुरू हो चुका है, और बाकी पर काम चल रहा है।

कन्नड में गाने से जुड़े विवाद पर सोनू निगम के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं हो : अदालत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया है कि गायक सोनू निगम के खिलाफ एक मामले में अगली सुनवाई तक उनके विरुद्ध कोई भी दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाए। यह मामला हाल में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए निगम के खिलाफ दर्ज किए गए आपराधिक मामले के संबंध में है। अदालत ने जांच अधिकारी (आईओ) के लिए जरूरी होने पर गायक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपना बयान दर्ज कराने की अनुमति भी दी।

अदालत ने कहा कि अगर वैकल्पिक रूप से आईओ व्यक्तिगत रूप से पेश होने पर जोर देते हैं, तो अधिकारी निगम के पास जा सकते हैं, जिसका खर्च गायक को उठाना होगा। यह मामला एक संगीत कार्यक्रम में हुई घटना के बाद दर्ज की गई शिकायत से संबंधित है, जहां कुछ कन्नड भाषी लोगों ने निगम से कन्नड में गाने का अनुरोध किया था।

गायक ने कथित तौर पर श्रोताओं के अनुरोध के लहजे पर आपत्ति जताई और टिप्पणी की, इसी वजह से पहलगाम हुआ। सुनवाई के दौरान, निगम के वकील धनंजय विद्यापति ने तर्क दिया कि शिकायत केवल प्रचार के लिए दर्ज की गई थी और आईपीसी की धारा 505 के तहत सार्वजनिक शरारत का कथित अपराध नहीं बनता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह एक अकेली घटना थी, संगीत कार्यक्रम सुचारू रूप से चला और शिकायत तीसरे पक्ष द्वारा दर्ज करायी गई थी। हालांकि, राज्य के वकील ने कहा कि सोनू निगम की टिप्पणियों की जांच के दौरान इरादे का पता लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''टिप्पणियां जानबूझकर की गई थीं या नहीं, इसका फैसला धारा 482 (सीआरपीसी) के तहत नहीं किया जा सकता।

जगन्नाथ पुरी जा रही बस में सवार बेंगलूरु के 20 तीर्थयात्री बीमार पड़े

बेंगलूरु/बालासोर (ओडिशा)। पुरी जा रही बस में सवार बेंगलूरु के कम से कम 20 तीर्थयात्री ओडिशा के बालासोर जिले में बीमार पड़ गए, जिसके बाद उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। बुधवार रात को खाना खाने के बाद तीर्थयात्री बीमार पड़ गए। इसके बाद उन्हें सोरो सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बेंगलूरु से करीब 50 लोगों ने 26 अप्रैल को बस से धार्मिक स्थलों की अपनी 24 दिवसीय यात्रा शुरू की थी और इसी कड़ी में वे बिहार के गया से पुरी आ रहे थे। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्री सोरो में रुके और खुद तैयार किये गये भोजन में चावल और सांभर खाया। अधिकारी ने बताया कि देर रात उनमें से करीब 20 लोगों को उल्टी और दस्त होने लगे जिसके बाद उन्हें नजदीकी सोरो अस्पताल ले जाया गया। सभी की हालत स्थिर बताई गई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम
ईसीआईएल (पो.), हैदराबाद-500062, तेलंगाना

ईसीआईएल के साथ उज्ज्वल भविष्य के लिए जुड़ें

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन भारत सरकार का **उपक्रम तकनीशियन (ग्रेड-II) (वेज-ग्रुप-III)** के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि 16.05.2025 (1400 बजे) एवं अंतिम तिथि 05.06.2025 (1400 बजे) तक है।

संपूर्ण विवरण (योग्यताओं, अनुभव, आयु इत्यादि) एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए कृपया कंपनी की वेबसाइट https://www.ecil.co.in **देखें।**

विज्ञापन सं. 07/2025 उप महाप्रबंधक-मानव संसाधन (भर्ती)

CBC 48138/12/0004/2526

आदिवासी पुत्रियों के भविष्य की चिंता करना हमारी जिम्मेदारी : खराड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री अनुप्रति योजना के तहत राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नीट) की कोचिंग से सुदूरवर्ती क्षेत्रों की प्रतिभावान छात्राओं को सम्बल मिलेगा। खराडी ने गुरुवार को उदयपुर के राजकीय मॉडल आवासीय विद्यालय, ढीकली में मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत 100 जनजाति बालिकाओं को नीट की नि:शुल्क कोचिंग का शुभारंभ किया।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर में कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की मिसाल देते मंत्री खराड़ी ने बेटियों का हौंसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि कई बेटियों के माता-पिता के पास इतना पैसा नहीं होता है कि वे महंगी कोचिंग करवा सके, इसी बात को ध्यान में रखते हुए जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग ने यह निर्णय किया है। आदिवासी बेटियों के भविष्य की चिंता करना हमारी जिम्मेदारी है। खराडी अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए कहा कि वे रात भर चिमनी की रोशनी में पढ़ाई करते थे और सुबह चार बजे जब घर में माताजी घट्टी पीसना शुरू करतीं, तब वे सोते थे। पढ़ने की लगन होनी चाहिए। उन्होंने पुत्रियों से कठिन परिश्रम करने का आह्वान करते हुए कहा, हर प्रश्न का उत्तर हमारे दिमाग में होना चाहिए। आप डॉक्टर बनें, तब आप अपने क्षेत्र, समाज में बेहतरीन डॉक्टर के रूप में पहचानी जायें। इससे हम सभी को गर्व होगा। खराड़ी ने आदिवासी समाज से राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस), भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) बनाने में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि जनजाति क्षेत्र से आईएएस के 25 और आरएएस के लिए 50 आदिवासी विद्यार्थियों के लिए जयपुर, दिल्ली की प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में नि:शुल्क कोचिंग के लिये भी प्रयास जारी है।

भैरोंसिंह शेखावत का राजस्थान के विकास में अहम योगदान : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत की पुण्यतिथि पर बृहस्पतिवार को यहां उनके स्मृति स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति का राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश के विकास में अहम योगदान रहा जिन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा डॉ बी आम्बेडकर के मूल्यों के अनुरूप काम किए। शर्मा ने कहा कि शेखावत ने गरीब, किसान और पिछड़ा वर्ग के लिए अंत्योदय जैसी महती योजना राजस्थान में लागू की, जो बाद में पूरे देश में लागू की गई।

आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा, शेखावत का जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनकी पुण्यतिथि पर हमें सशक्त और समृद्ध राजस्थान बनाने का दृढ़ संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल समेत बड़ी संख्या में आमलोगों ने भी स्मृति स्थल पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी शेखावत को श्रद्धांजलि देते हुए 'एक्स' पर लिखा, पूर्व उपराष्ट्रपति तथा राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

ऑपरेशन सिंदूर से स्पष्ट संदेश आतंकवाद पर मिलेगा सख्त जवाब : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की बेटियों के सम्मान की रक्षा का ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा है कि भारत ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि अब आतंकवाद पर चुप्पी नहीं, सख्त जवाब मिलेगा। दीया कुमारी ने गुरुवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तिरंगा यात्रा में शामिल होकर यह बात कही। उन्होंने ऑपरेशन सिन्दूर का जिक्र करते हुए कहा कि यह मिशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि भारत की बेटियों के सम्मान की रक्षा का ऐतिहासिक कदम था।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो, एयर स्ट्राइक या ऑपरेशन सिन्दूर भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अब आतंकवाद पर चुप्पी नहीं, सख्त जवाब मिलेगा। इस मौके पर उन्होंने कहा तिरंगा केवल झंडा नहीं, हमारी अस्मिता, गौरव और बलिदान का प्रतीक है। इस यात्रा के माध्यम से हम भारत की एकता, स्वाभिमान और शक्ति का संदेश दे रहे हैं।

उन्होंने गर्वपूर्वक कहा कि वह स्वयं एक सैनिक की बेटी हैं, जिनके पिता ब्रिगेडयर महाराजा भवानी सिंह ने 1971 के भारत-पाक युद्ध में छाछरों और वीरवाह जैसे क्षेत्रों में भारत का तिरंगा फहराया था। उस वीरता और जनसमर्थन की यादें आज भी प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा तिरंगे की शान को कभी झुकने न दें।

आज का युवा यदि देश को विश्वगुरु बनाने का संकल्प ले, तो कोई ताकत भारत की प्रगति को रोक नहीं सकती। जब नेतृत्व दृढ़ हो, नीयत साफ हो और जनसहयोग पूरा हो तब देश केवल आगे ही नहीं बढ़ता बल्कि विजयी भी होता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा न केवल हमारी सेना की वीरता का प्रतीक है बल्कि देशवासियों के अटूट विश्वास और राष्ट्रभक्ति का भी उत्सव है।

आईबी अधिकारी की हत्या के मामले में पत्नी और उसका प्रेमी दोषी करार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। झालावाड़ की एक अदालत ने खुफिया ब्यूरो (आईबी) के एक अधिकारी की हत्या के मामले में उसकी पत्नी, निलंबित पुलिसकर्मी और अन्य को दोषी करार देते हुए अलग-अलग अवधि की कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने राजस्थान पुलिस के निलंबित कर्मी को आजीवन कारावास और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई जबकि पीड़ित की पत्नी और एक अन्य दोषी को 14-14 वर्ष सश्रम कारावास की सजा दी।

अदालत ने एक अन्य आरोपी को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। खुफिया ब्यूरो के नयी दिल्ली केंद्र में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर तैनात चेतन प्रकाश गालव की लाश फरवरी 2018 में झालावाड़ के रलायता स्थित रेलवे स्टेशन पर मिला था। पुलिस ने शुरू में सीआरपीसी की धारा 174 (आत्महत्या आदि पर पुलिस द्वारा जांच और रिपोर्ट करना) के तहत मामला दर्ज किया था। हालांकि, अदालत ने अधिकारी के पिता ने हत्या की आशंका जताते हुए अदालत में याचिका दायर की थी और अदालत के आदेश पर पुलिस ने मामले की जांच की और इसे हत्या का मामला माना। पुलिस ने दावा किया कि मृतक की पत्नी एवं पेशे से सरकारी स्कूल में अध्यापिका अनीता मीणा ने पुलिस कर्मी और प्रेमी प्रवीण राठौर के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची और आरटीओ एजेंट शारुख खान को तीन लाख रुपये में सुपारी दी। तीनों ने एक निजी मेडिकल नर्स संतोष निर्मल और एक अन्य आरोपी फरहान तथा एक नाबालिग लड़के के साथ मिलकर गालव की हत्या की योजना बनाई। लोक अभियोजक दीपेश भारद्वाज ने बृहस्पतिवार को बताया कि अदालत ने राठौर (35) और खान को भारतीय दंड संहिता और अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत साजिश, अपहरण और हत्या का दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा के साथ एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

अदालत ने मीणा और निर्मल को षडयंत्र और हत्या का दोषी करार दिया और 14-14 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। भारद्वाज ने बताया कि अदालत ने फरहान को बरी कर दिया गया, जबकि नाबालिग का मुकदमा किशोर न्यायालय में चला। गालव की हत्या के पीछे का रहस्य हत्या के चार महीने बाद खान की गिरफ्तारी के साथ उजागर हुआ। उसने कथित तौर पर दो पड़ोसियों की मदद से गालव को झालावाड़ रेलवे स्टेशन से अगवा किया और उसे मारने के लिए केटामाइन की दोहरी खुराक का इंजेक्शन लगा दिया।

भारतीय सेना के अदम्य साहस से देश गौरवान्वित : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर आंतकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया है। शर्मा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और सेना के शौर्य सम्मान में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अल्बर्ट हॉल से निकाली गई तिरंगा यात्रा के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रदेशवासियों की ओर से देश के वीर सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि भारतीय सेना ने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान में चिह्नित आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। भारतीय सेना पर देश के प्रत्येक व्यक्ति को गर्व है। वीर सशस्त्र बलों ने संयम और पराक्रम का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के इस अदम्य साहस से देश गौरवान्वित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री ने भारतीय सेना को जवाबी कार्यवाही के लिए पूरी छूट दी और भारतीय सेना ने भी साहस दिखाते हुए आंतकवादी अड्डों को समाप्त कर पाकिस्तान को सबक सिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्भीक और निर्णायक निर्णयों तथा सेना के शौर्य के कारण देश को आंतकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता मिली।उन्होंने कहा कि सैनिकों की अदम्य वीरता के कारण मिली ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर पूरे देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। राजस्थान में भी हर गांव, शहर और हर विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकालकर सैनिकों को सम्मान दिया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त होने वाले पराक्रमी सैनिकों को नमन कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को वापस भेजने के लिए पश्चिम बंगाल ले जाया गया

जोधपुर। राजस्थान में पुलिस के विशेष अभियान के तहत पकड़े गए 148 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की निवार्सन प्रक्रिया जारी रखते हुए उनके पहले जत्थे को बुधवार को एक विशेष उड़ान से पश्चिम बंगाल भेजा गया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, राज्य के 17 जिलों में अब तक इस अभियान के तहत 1,008 घुसपैठियों को हिरासत में लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद खुफिया एजेंसियों द्वारा पहचाने जाने के बाद इन 148 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को जयपुर क्षेत्र से पकड़ा गया। उन्हें कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच जयपुर के एक 'निरुद्ध केंद्र' से पुलिस बसों में जोधपुर ले जाया गया। खुफिया सूत्रों के अनुसार, इन प्रवासियों को पश्चिम बंगाल में हिरासत में रखा जाएगा और आगे की कार्यवाही के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा उन्हें बांग्लादेश भेज दिया जाएगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने 30 अप्रैल को पुलिस को अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ अभियान शुरू करने और उनका निर्वासन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

नैतिक मूल्य भारतीय शिक्षा का मूल आधार : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि नैतिक मूल्य भारतीय संस्कृति का प्रमुख आधार रहा है। इन मूल्यों से दूर करने के लिए अंग्रेज शासन में लॉर्ड मैकाले ने हमारे यहां अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लागू की। इससे राष्ट्रवासियों में गुलाम मानसिकता विकसित हुई। उन्होंने कहा कि विनोबा भावे ने कहा था कि आजादी मिलने के बाद जिस तरह से देश का झण्डा बदला गया वैसे ही यहां की शिक्षा नीति बदलनी चाहिए थी। पर ऐसा नहीं हुआ। इसी आलोक में अब एक हजार शिक्षाविदों ने मिलकर देश में नई शिक्षा नीति तैयार की है। यह पूरी तरह से भारतीयता से ओतप्रोत नैतिक मूल्यों की संवाहक है। इसमें भारतीय संस्कृति और उदात्त जीवन मूल्यों पर ही जोर है। शिक्षकों को चाहिए कि वे इस नीति के आलोक में विद्यार्थियों को शिक्षित व दीक्षित करें।

राज्यपाल ने समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में 75 प्रतिशत से अधिक संख्या बालिकाओं की रहने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि अब लड़कियां आधी आबादी के गणित को पार कर उपलब्धियों का इतिहास रच रही है। उन्होंने महर्षि अरविंद की चर्चा करते हुए कहा कि अंतर मन को जागृत करने पर जोर देते हुए अरविंद ने बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाए जाने की बात कही थी। पंडित नेहरू ने डिस्कवरी ऑफ इंडिया में इसका उल्लेख किया है। हमारी नई शिक्षा नीति इसी दृष्टि की पूर्ति करने वाली है।

उन्होंने कहा कि भारत ने ही विश्व को सबसे पहले जीरो का यानी दशमलव का ज्ञान दिया।

मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी चिंता का विषय : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं आईएएस अधिकारी नीरज के पवन को जान से मारने की धमकी को सभी प्रदेशवासियों के लिए बेहद गंभीर चिंता का विषय बताया है। गहलोत ने गुरुवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि मुख्यमंत्री को तीसरी बार ऐसी धमकी दी गई है। अब आमजन को चिंता सता रही है कि जब मुख्यमंत्री को ही इस तरह धमकी दी जा रही है तो आम आदमी की सुरक्षा का क्या होगा। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल से हत्या, लूट, रेप, चोरी समेत तमाम अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं एवं सरकार का ध्यान केवल अपराध के आंकड़े कम कर दिखाने में ही है।मुख्यमंत्री के ही गृह मंत्री होते हुए भी ऐसी स्थिति बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता पूछ रही है कि आखिर इस स्थिति में कब सुधार होगा।

राहुल को विद्यार्थियों से मिलने से रोकना अलोकतांत्रिक

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पटना में विद्यार्थियों से मिलने से रोकने को अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की दलितों, वंचितों एवं पिछड़े वर्ग को न्याय दिलाने के लिए चल रहे राहुल गांधी के प्रयास को रोकने की कवायद है जो कभी सफल नहीं होगी। गहलोत ने गुरुवार को सोशल मीडिया के माध्यम से यह बात कही।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिहार में सामाजिक न्याय एवं शिक्षा के लिए आवाज उठाते हुए पटना में विद्यार्थियों से मिलने गए हैं। बिहार की राजग सरकार के प्रशासन द्वारा उन्हें वहां रोकने का प्रयास निंदनीय एवं अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा कि किस कानून के तहत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति को इस तरह रोका जा सकता है। यह एनडीए सरकार की दलितों, वंचितों एवं पिछड़े वर्ग को न्याय दिलाने के लिए चल रहे राहुल गांधी के प्रयास को रोकने की कवायद है जो कभी सफल नहीं होगी।

बदमाशों ने मंदिर में घुसकर साधु की हत्या की

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के रायपुर थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों द्वारा धारदार हथियारों से एक मंदिर में पुजारी की हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार रायपुर कस्बे में गत रात्रि बदमाशों ने माता जी के मंदिर में घुसकर वहां सो रहे सुखानाथ योगी पर हमला कर हथियार से पैर काट दिये और फिर उसे पूरे मंदिर में घसीटा जिसके कारण मंदिर में खून ही खून फैल गया। साधु के जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज आने के कारण आस-पास के लोग जग गये और मंदिर में पहुंचे, तब तक बदमाश मौके से भाग गये। लोगों ने रात्रि को ही साधु को रायपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से स्थिति गंभीर होने से भीलवाड़ा महात्मा गाँधी चिकित्सालय रेफर किया गया, जहां गुरुवार अलसुबह उसकी मौत हो गयी। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके का मुआयना किया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की लगातार मिल रही है धमकी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम (एसएमएस) को बम से उड़ाने की लगातार धमकी मिल रही हैं और गुरुवार को मिले ई मेल में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की हत्या करने की धमकी दी गई। राजस्थान खेल परिषद कार्यालय के आधिकारिक ईमेल आईडी पर आये ईमेल में लिखा है कि दुष्कर्म पीड़िता के मामले में कुछ नहीं किया गया तो शर्मा और खेल परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन की हत्या कर शव के टुकड़े कर काले सूटकेस में पैक कर देगें। खेल परिषद कार्यालय में एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने का धमकी भरा ईमेल पिछले आठ दिनों से कई बार आ चुका है और गत आठ, 12, 13 एवं 14 मई को भी धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें बुधवार को एक दिन में दो बार धमकी भरा ईमेल मिला। उल्लेखनीय है कि एसएमएस स्टेडियम में 18 मई को आईपीएल टी-20 का क्रिकेट मैच होना है।

कई इलाकों में भीषण गर्मी पड़ने की चेतावनी

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान के कई हिस्सों में आगामी दिनों में भीषण गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है। विभाग के

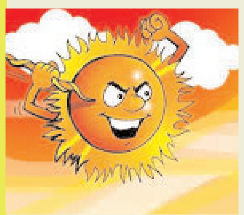

अनुसार, बीकानेर तथा गंगानगर जिलों में 15-17 मई को अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने व कहीं-कहीं 'लू' चलने की संभावना है। वहीं राज्य के शेष अधिकतर भागों में अधिकतम तापमान 42-44 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इसी तरह 16 मई से ज्यादातर भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने व कोटा, उदयपुर संभाग में छिटपुट स्थानों पर दोपहर बाद बादलों की गरज के साथ आंधी की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, आज बृहस्पतिवार को बीकानेर, उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद बादल गरजने तथा 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने तथा हल्की बारिश होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री व एक वरिष्ठ अधिकारी को ईमेल के जरिए हत्या की धमकी मिली

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी नीरज के. पवन को बुधवार को ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली। ईमेल में क्रिकेट स्टेडियम को बम से उड़ाने की भी धमकी दी गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस धमकी को देखते हुए राज्य में उच्च स्तरीय सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया है। दिविज प्रभाकर नाम के अकाउंट से कथित तौर पर भेजे गए इस ईमेल में मुख्यमंत्री व अधिकारी को जान से मारने और 'टुकड़े कर देने' की धमकी दी गई है। इसमें यह भी दावा किया गया है कि कथित व्यक्तिगत शिकायतों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए स्टेडियम में विस्फोटक लगाए जाएंगे। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि ईमेल कई लोगों को मिला। इनमें मुख्यमंत्री कार्यालय से संबद्ध एक सरकारी पता और एक निजी व्यक्ति शामिल है। कथित संदेश में बलात्कार, दहेज उत्पीड़न के आरोप और कथित आरोपियों का जिक्र है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप ने कहा, ईमेल की जांच की जा रही है। साइबर अपराध विशेषज्ञों और खुफिया टीमों को ईमेल के स्रोत का पता लगाने और धमकियों की विश्वसनीयता का आकलन करने का काम सौंपा गया है। प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठानों और स्टेडियमों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। ईमेल भेजने वाले ने दावा किया है कि कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए उसने मानसिक बीमारी का हवाला देकर पहले ही मेडिकल सर्टिफिकेट बनवा लिया है। अधिकारियों का कहना है कि इस पहलू की भी पुष्टि की जा रही है। अधिकारियों ने ईमेल में उल्लिखित आरोपों की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की है। संदेश में गंभीर आरोपों के साथ अपुष्ट व्यक्तिगत दावे भी शामिल हैं और पुलिस इसे संभावित धमकी और धोखाधड़ी दोनों के रूप में देख रही है। एहतियात के तौर पर जयपुर में स्टेडियमों और प्रमुख सरकारी कार्यालयों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने विधेयकों को मंजूरी देने से संबंधित आदेश को लेकर उच्चतम न्यायालय से 14 सवाल पूछे

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर फैसला लेने के संबंध में राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय सीमा निर्धारित करने से संबंधित आठ अप्रैल के फैसले को लेकर उच्चतम न्यायालय से 14 सवाल पूछे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत अपनी शक्ति का इस्तेमाल करते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में ऐसा प्रतीत होता है कि सार्वजनिक महत्व के निम्नलिखित कानूनी सवाल उठे हैं, जिन पर भारत के उच्चतम न्यायालय की राय लेने की आवश्यकता है। संविधान का अनुच्छेद 143(1) उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने से जुड़ी राष्ट्रपति की शक्ति से संबंधित है। इस शक्ति का इस्तेमाल राष्ट्रपति तब करता है जब उसे यह प्रतीत होता है कि किसी कानून या किसी तथ्य को लेकर कोई सवाल खड़ा हुआ है या इसकी आशंका है। राष्ट्रपति को जब यह लगता है कि कोई सवाल सार्वजनिक महत्व से जुड़ा है और यदि इस पर उच्चतम न्यायालय की राय प्राप्त करना समीचीन है, तो वह प्रश्न को विचारार्थ उच्चतम न्यायालय को भेज सकता है और न्यायालय सुनवाई के पश्चात अपनी उचित राय राष्ट्रपति को सूचित कर सकता है। राष्ट्रपति ने न्यायालय से निम्न प्रश्न पूछे हैं:

- जब भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के अंतर्गत राज्यपाल के समक्ष कोई विधेयक प्रस्तुत किया जाता है तो उसके पास संवैधानिक विकल्प क्या हैं?
- क्या भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के अंतर्गत राज्यपाल के समक्ष कोई विधेयक प्रस्तुत किए जाने पर वह अपने पास उपलब्ध सभी विकल्पों का उपयोग करते हुए मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह को लेकर बाध्य है?
- क्या भारतीय संविधान के अनुच्छेद 200 के अंतर्गत राज्यपाल द्वारा संवैधानिक विवेक का उपयोग न्यायोचित है?
- क्या भारतीय संविधान का अनुच्छेद 361, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 200 के अंतर्गत राज्यपाल के कार्यों के संबंध में न्यायिक समीक्षा पर पूर्ण पाबंदी लगाता है?
- राज्यपाल द्वारा शक्तियों के इस्तेमाल की संवैधानिक रूप से निर्धारित समय-सीमा और प्रक्रिया के अभाव में, क्या भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत सभी शक्तियों के उपयोग के लिए न्यायिक आदेशों के माध्यम से राज्यपाल के वास्ते समयसीमा और प्रक्रिया निर्धारित की जा सकती है।
- क्या भारत के संविधान के अनुच्छेद 201 के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा संवैधानिक विवेक का प्रयोग न्यायोचित है?
- संवैधानिक रूप से निर्धारित समय-सीमा और राष्ट्रपति द्वारा शक्तियों के इस्तेमाल के तरीके के अभाव में, क्या भारत के संविधान के अनुच्छेद 201 के तहत विवेकाधिकार के इस्तेमाल के लिए न्यायिक आदेशों के माध्यम से राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा और प्रक्रिया निर्धारित की जा सकती है।
- राष्ट्रपति की शक्तियों को नियंत्रित करने वाली संवैधानिक व्यवस्था के आलोक में, क्या राष्ट्रपति को भारत के संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत संदर्भ के माध्यम से उच्चतम न्यायालय से सलाह लेने की आवश्यकता है और जब राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजता या अपने पास सुरक्षित रखता है, तो उच्चतम न्यायालय की राय लेनी होगी?
- क्या भारतीय संविधान के अनुच्छेद 200 और अनुच्छेद 201 के तहत राज्यपाल और राष्ट्रपति के फैसले कानून बनने से पहले के चरण में न्यायोचित हैं? क्या न्यायालयों को किसी विधेयक के कानून बनने से पहले उसकी विषय-वस्तु पर किसी भी तरह से न्यायिक निर्णय लेने की अनुमति है?
- क्या संवैधानिक शक्तियों का उपयोग और राष्ट्रपति/राज्यपाल के आदेशों को भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत किसी भी तरह से प्रतिस्थापित किया जा सकता है?
- क्या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाया गया कानून भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की स्वीकृति के बिना लागू माना जाता है?
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 145(3) के प्रावधान के मद्देनजर, क्या न्यायालय की किसी भी पीठ के लिए यह तय करना अनिवार्य नहीं है कि उसके समक्ष पेश याचिका में संविधान की व्याख्या की जरूरत है और इसे न्यूनतम पांच न्यायाधीशों की पीठ को भेजा जाए?
- क्या भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियां प्रक्रियात्मक कानून के मामलों तक सीमित हैं या यह निर्देश जारी करने/आदेश पारित करने तक विस्तारित है?
- क्या संविधान, अनुच्छेद 131 के अंतर्गत मुकदमे के अलावा, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच विवादों के हल के लिए सर्वोच्च न्यायालय के किसी अन्य क्षेत्राधिकार पर रोक लगाता है?

मणिपुर इकाई में कोई मतभेद नहीं, कुछ विधायकों के अलग होने के दावे गलत : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मणिपुर इकाई ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके सभी विधायक एकजुट हैं और आगे भी एकजुट रहेंगे।

पार्टी की ओर से यह बयान सोशल मीडिया पोस्ट और स्थानीय मीडिया में आई कुछ खबरों के बाद आया है, जिनमें दावा किया गया था कि कुछ भाजपा विधायक राज्य में नई सरकार बनाने के लिए विपक्षी कांग्रेस के साथ हाथ मिलाने की योजना बना रहे हैं। मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है।

भाजपा की राज्य इकाई ने मीडिया और सोशल मीडिया में आई खबरों को निराधार बताते हुए कहा, भाजपा के सभी विधायक पार्टी के साथ खड़े हैं और भविष्य में भी ऐसा ही करते रहेंगे।

भाजपा ने अपने विधायकों के कांग्रेस के साथ मिल जाने के बारे में गलत सूचना फैलाए जाने की भी निंदा की।

पार्टी ने सभी से अपील की कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अपने अधिकार का प्रयोग करते समय सावधानी और जिम्मेदारी बरतें, विशेषकर राज्य में ऐसे संवेदनशील समय के दौरान।

पश्चिम बंगालः नौकरियां गंवाने वाले शिक्षकों ने शिक्षा विभाग मुख्यालय का घेराव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद बेरोजगार हुए पश्चिम बंगाल के हजारों स्कूली शिक्षकों ने बृहस्पतिवार को राज्य के शिक्षा विभाग के मुख्यालय का घेराव किया और सरकार से उनकी सेवाओं को बहाल करने के लिए कानूनी कदम उठाने की मांग की।

जब प्रदर्शनकारियों ने विकास भवन के सामने एकत्र होकर साल्ट लेक के व्यस्त करुणामयी इलाके में यातायात बाधित किया, तो पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। हालांकि, प्रदर्शनकारियों का एक वर्ग दीवार फांदकर विकास भवन के परिसर में घुस गया। शिक्षकों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से तत्काल बातचीत का आह्वान किया और मांग की कि राज्य सरकार कानूनी कदम उठाए ताकि वे तीन अप्रैल के उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद गंवाई गई नौकरी वापस पा सकें। प्रदर्शनकारी शिक्षकों के एक समूह के प्रवक्ता शुभंकर घोषाल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जब तक सरकार सभी योग्य शिक्षकों की नौकरियों को स्थायी करने के लिए कानूनी कदम नहीं उठाती, हम यहां से नहीं हटेंगे। हम मांग करते हैं कि सरकार हमें उच्चतम न्यायालय में दायर की जाने वाली समीक्षा याचिका में पक्ष बनाए, क्योंकि हम भी हितधारक हैं।

विरोध प्रदर्शन का आयोजन करने वाले फोरम के एक अन्य सदस्य महबूब मंडल ने कहा कि कोई भी प्रदर्शनकारी शिक्षक दोबारा भर्ती परीक्षा नहीं देगा। मंडल ने कहा, क्या एसएससी के चेयरमैन और अन्य अधिकारी वही परीक्षाएं देंगे जो उन्होंने पहले उत्तीर्ण की थीं? क्या शिक्षा मंत्री तय तिथि से पहले फिर से चुनाव लड़ेंगे?

'नक्सली आंदोलन खत्म होने तक अर्धसैनिक बल शांत नहीं बैठेंगे'

भदोही (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बृहस्पतिवार को कहा की जब तक पूरे देश से नक्सली आंदोलन को खत्म नहीं कर दिया जाता, तब तक अर्धसैनिक बल शांत नहीं बैठेंगे। अमर शहीद सुलभ उपाध्याय की आठवीं पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आये पाठक ने ज्ञानपुर के बैरखास गांव में सुलभ उपाध्याय पार्क के पास नवनिर्मित हाल का लोकार्पण किया।

बैरखास गांव के रहने वाले अर्धसैनिक बल के जवान सुलभ उपाध्याय ओड़िशा में नक्सलियों के विरुद्ध अभियान में 15 मई 2017 को शहीद हो गए थे। पाकिस्तान पर भारत के हमले के बारे में पाठक ने कहा कि पूरी दुनिया ने भारतीय सेना के शौर्य को देखा और यह तभी हुआ जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेना को खुली छूट दी और भारतीय सेना ने घर में घुसकर आतंकियों के खानदान तक को तबाह कर डाला। 'ऑपरेशन सिन्दूर' को लेकर उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि जब बात देश की हो तो विपक्ष को राजनीति नहीं करनी चाहिए और मां भारती की सेवा के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए।

भारत को मैकमोहन रेखा से आगे के क्षेत्रों को पुनः हासिल करने के लिए कदम उठाने चाहिए : भाजपा सांसद गाओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदलने के लिए चीन की आलोचना करते हुए लोकसभा सदस्य तापिर गाओ ने केंद्र से मैकमोहन रेखा के पार लोबा तानी और मिश्मी समुदायों के निवास वाले क्षेत्रों को पुनः हासिल कर ''ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने'' के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

अरुणाचल पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा सांसद ने एक बयान में कहा कि मैकमोहन रेखा के पार रहने वाले समुदाय ''भारत के साथ मजबूत सभ्यतागत जड़ें'' साझा करते हैं, और अब समय आ गया है कि भारत उन क्षेत्रों को पुनः हासिल करे ''जो सही मायने में हमारे देश का हिस्सा हैं''। चीन ने अरुणाचल प्रदेश में 27 स्थानों के चीनी नामों की घोषणा की जिनमें 15 पर्वत, चार दर्रे, दो नदियां, एक झील और पांच आवासीय क्षेत्र शामिल हैं। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताता है। गाओ ने एक बयान में कहा, चीन जितनी बार चाहे उतनी बार पहाड़ों और नदियों के नाम बदल सकता है, लेकिन वह इतिहास को फिर से नहीं लिख सकता। उन्होंने कहा, अरुणाचल प्रदेश कभी भी तिब्बत का हिस्सा नहीं रहा है। यहां तक कि 14वें दलाई लामा ने भी यह बात स्पष्ट कर दी है। देश के बाकी हिस्सों के साथ इस क्षेत्र के लोगों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए गाओ ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा से भारत और उसके लोगों का रहा है और मैकमोहन रेखा के पार रहने वाले लोबा तानी (न्यीशी, तागिन, बोकार, मिश्मी) समुदाय भारत के साथ ''गहरी सभ्यतागत जड़ें साझा करते हैं''। उन्होंने कहा, मैकमोहन रेखा एक राजनीतिक सीमा के रूप में काम कर सकती है, लेकिन यह साझा विरासत को विभाजित नहीं कर सकती। उन्होंने नई दिल्ली से मैकमोहन रेखा के पार लोबा तानी और मिश्मी समुदायों के इलाकों को पुनः हासिल कर ''ऐतिहासिक गलतियों'' को सुधारने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। केंद्र ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदलने की चीन की कोशिशों को ''व्यर्थ एवं बेतुका'' बताकर सिरे से खारिज करते हुए बुधवार को कहा था कि इस तरह के प्रयासों से यह ''निर्विवाद'' सच्चाई नहीं बदलेगी कि यह राज्य ''भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। गाओ ने कहा, भारत की एकता को लेकर कोई समझौता नहीं हो सकता। हमारी सीमाएं महज नक्शे पर बनी रेखाएं नहीं हैं, वे हमारे देश की आत्मा का प्रतिनिधित्व करती हैं। अरुणाचल प्रदेश महज एक क्षेत्र नहीं है, यह एक पहचान है। और यह हमेशा भारतीय क्षेत्र रहेगा।

इस्लाम में शर्तों के साथ बहुविवाह की इजाजत, इसका व्यापक दुरुपयोग हो रहाः उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि इस्लाम कुछ परिस्थितियों और शर्तों के तहत एक से अधिक विवाह की इजाजत देता है लेकिन इस अनुमति का व्यापक स्तर पर दुरुपयोग किया जा रहा है।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने कहा कि इस्लाम के शुरुआती दौर में जंग में भारी संख्या में लोगों के हताहत होने के बाद विधवाओं और यतीमों (अनाथ) के संरक्षण के लिए कुरान के तहत शर्तों के साथ बहुविवाह की अनुमति दी गई थी लेकिन इस प्रावधान का पुरुषों द्वारा निजी स्वार्थ के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। अदालत ने आठ मई 2025 को दिए अपने निर्णय में एक मुस्लिम पुरुष द्वारा कई शादियां करने और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 494 (द्विविवाह के अपराध) के तहत इनकी जटिलताओं के संबंध में कानूनी स्थिति भी स्पष्ट की।

अदालत ने उन परिस्थितियों को भी स्पष्ट किया जिनमें धारा 494 लागू होगी या नहीं। न्यायमूर्ति देशवाल ने कहा कि यदि एक मुस्लिम पुरुष इस्लामी कानून के तहत पहली शादी करता है तो उसकी दूसरी, तीसरी और चौथी शादी अमान्य नहीं होगी और दूसरी शादी के लिए धारा 494 लागू नहीं होगी, बशर्ते दूसरी शादी, परिवार अदालत द्वारा 'शरियत' (इस्लामी कानून) के तहत 'बातिल' (अमान्य) घोषित न की गई हो।

अदालत ने कहा कि यदि एक व्यक्ति द्वारा पहली शादी विशेष विवाह अधिनियम, 1954, विदेश विवाह अधिनियम, 1969, ईसाई विवाह अधिनियम, 1872, पारसी विवाह एवं तलाक अधिनियम, 1936 और हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत की जाती है और वह मुस्लिम धर्म अपनाकर दूसरा विवाह मुस्लिम कानून के तहत करता है तो उसका दूसरा विवाह अमान्य होगा और धारा 494 के तहत अपराध की श्रेणी में आएगा। अदालत ने यह आदेश फुरकान और दो अन्य व्यक्तियों द्वारा दायर याचिका पर पारित किया। इन याचिकाकर्ताओं ने मुरादाबाद की एक अदालत द्वारा जारी समन और आरोप पत्र को चुनौती दी थी। यह प्राथमिकी याचिकाकर्ता फुरकान की पत्नी ने दायर कराई थी जिसमें उसने दावा किया था कि फुरकान ने शादीशुदा होने की बात छुपाकर उससे विवाह किया था। इसमें महिला ने फुरकान पर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डर के कारण जातिगत गणना के लिए सहमत हुए : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दरभंगा (बिहार)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की वंचित आबादी के डर से जातिगत गणना कराने पर सहमत हुए हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह टिप्पणी बिहार के दरभंगा जिले में छात्रों के साथ एक संवाद कार्यक्रम में की। स्थानीय प्रशासन ने कांग्रेस नेता को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने से रोकने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हुआ।

रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने कहा, जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मेरी कार को (मिथिला विश्वविद्यालय के) गेट पर रोक दिया गया। लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं बाहर निकला और एक घुमावदार रास्ते से पैदल यहां आ गया। उन्होंने बिहार में जन संपर्क कार्यक्रम 'शिक्षा न्याय संवाद' की शुरुआत की। राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

गांधी ने विश्वविद्यालय के अंबेडकर छात्रावास में यह बात कही, जहां प्रशासन ने कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, आपको पता है कि बिहार की सरकार मुझे क्यों नहीं रोक सकी? ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि आपमें जो ऊर्जा का भंडार है मैं भी उससे ऊर्जावान हुआ हूं। यही वह ऊर्जा है जिसके आगे नरेन्द्र मोदी को झुकना पड़ा।

गांधी ने दावा किया, हमने मोदी से कहा कि आप संविधान को अपने माथे से लगाएं और उन्होंने ऐसा किया। हमने उनसे यह भी कहा था कि आपको जातिगत गणना करानी होगी। दोनों अवसरों पर मोदी ने आप लोगों की प्रतिक्रिया के डर से हमारी मांगों को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, लेकिन तथ्य यह है कि उनकी सरकार अंबानी, अदाणी और उनके जैसे लोगों के हितों की रक्षा करती है। यह व्यवस्था पांच प्रतिशत आबादी के लाभ के लिए काम कर रही है। दलितों, ओबीसी और आदिवासियों की कोई सुनवाई नहीं है, चाहे वह सरकार हो, कॉर्पोरेट जगत हो या फिर मीडिया हो। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे विचलित न हों और तीन मांगों पर ध्यान केंद्रित करें – तेलंगाना (कांग्रेस शासित) में किए गए सर्वेक्षण की तर्ज पर एक प्रभावी जातिगत गणना, निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में आरक्षण और अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए उप-योजना के लिए आवंटित धनराशि जारी करवाना।

नेहरू युवा केंद्र का नया संस्करण है 'माई भारत, नेहरू की विरासत नहीं मिटेगी : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सरकार का 'मेरा भारत' कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) का एक नया संस्करण है तथा यह स्थापित संस्थाओं को नष्ट करने का एक और प्रयास है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि नेहरू का नाम हटाने से उनकी विरासत नहीं मिटने वाली है। 'माई भारत' एक ऑनलाइन युवा नेतृत्व और सामाजिक सहभागिता मंच है जिसका उद्देश्य युवाओं को अपने समुदायों में नेता और सक्रिय नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाना और उन्हें शामिल करना है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बारला तृणमूल में शामिल, भाजपा पर आदिवासी कल्याण के कार्य रोकने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री जॉन बारला बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गए। उन्होंने भाजपा नेतृत्व पर आदिवासियों और चाय बागान श्रमिकों के कल्याण के लिए काम करने के उनके प्रयासों में बार-बार अड़चन डालने का आरोप लगाया।

बारला 2019 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार से भाजपा सांसद चुने गए थे। उन्होंने केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री के रूप में काम किया था। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बारला की जगह मनोज तिग्गा को अलीपुरद्वार से अपना उम्मीदवार बनाया था, जिसे लेकर उन्होंने खुले तौर पर नाखुशी जाहिर की थी।

अलीपुरद्वार में चाय बागान श्रमिकों और जनजातीय समुदायों की बड़ी आबादी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में मुख्य सचेतक तिग्गा इस सीट पर चुनाव जीतने में सफल रहे थे। टिकट कटने के बाद बारला ने भाजपा के पश्चिम बंगाल नेतृत्व से दूरी बना ली थी, जिसके चलते

उनके भावी राजनीतिक कदम को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। बारला बृहस्पतिवार को सुब्रत बख्शी और अरूप बिस्वास जैसे वरिष्ठ तृणमूल नेताओं की मौजूदगी में कोलकाता में औपचारिक तौर पर पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने कहा, अगर पार्टी ही लोगों के लिए किए जा रहे विकास कार्यों को रोक दे, तो मुझे उसमें क्यों बने रहना चाहिए? बारला ने आरोप लगाया, जब मैं केंद्रीय मंत्री बना, तो मैंने जब भी लोगों के लिए काम करने की कोशिश की, मुझे हर बार अड़चनों का सामना करना पड़ा। पार्टी नेतृत्व ने मुझे बार-बार रोका। उन्होंने कहा कि वह 160 करोड़ रुपए की लागत से अस्पताल बनाना चाहते थे और इसके लिए भूमि की पहचान सहित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई थीं।

अरशद नदीम पर नीरज चोपड़ा ने कहा, हम कभी भी करीबी दोस्त नहीं थे

दोहा/भाषा। स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि उनकी और अरशद नदीम की कभी भी करीबी दोस्ती नहीं थी और साथ ही कहा कि हाल में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चीजें पहले जैसी नहीं रहेंगी।

पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद चोपड़ा और उनके परिवार को सोशल मीडिया पर अपशब्दों का सामना करना पड़ा था क्योंकि इस स्टार एथलीट ने बेंगलूरु में एनसी क्लासिक में पाकिस्तान के नदीम को आमंत्रित किया था, हालांकि यह अब स्थगित हो चुकी है। दो बार के

ओलंपिक पदक विजेता और मौजूदा विश्व चैंपियन ने चोपड़ा से यहां डायमंड लीग की पूर्व संध्या पर नदीम के साथ दोस्ती के बारे में पूछे जाने पर स्पष्ट जवाब दिया। नदीम ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था जबकि चोपड़ा 2021 में टोक्यो चरण में पोडियम पर शीर्ष पर रहे थे। चोपड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों से कहा, सबसे पहले मैं यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि मेरा (नदीम के साथ) बहुत मजबूत रिश्ता नहीं है। हम कभी भी करीबी दोस्त नहीं थे। लेकिन इस वजह (भारत-पाक सीमा पर तनाव) से अब हमारे बीच बातचीत पहले जैसी नहीं होगी। पर अगर कोई मुझसे सम्मान से बात करता है तो मैं भी सम्मान से ही बात करता हूं। उन्होने कहा, बतौर खिलाड़ी हमें बातचीत करनी होगी। दुनिया भर में खेल समुदाय में मेरे कुछ अच्छे दोस्त हैं जो सिर्फ भाला फेंक में ही नहीं हैं बल्कि अन्य खेलों में भी हैं। अगर कोई मुझसे सम्मानपूर्वक बात करता है तो मैं भी उससे पूरे सम्मान के साथ बात करूंगा।

भारत में बनाये जा सकते हैं ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर, बीसीसीआई ले सकता है कुछ खेलों का जिम्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कारपोरेट भागीदारी से देश में ओलंपिक केंद्रों की स्थापना की खेल मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना में भारतीय क्रिकेट बोर्ड भी दो से तीन ओलंपिक खेलों का जिम्मा उठाने को तैयार है और इस योजना पर इस साल काम शुरू हो जायेगा।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया के साथ बृहस्पतिवार को हुई बैठक में बीसीसीआई ने यह प्रस्ताव रखा। बैठक में कारपोरेट जगत के 58 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया, ओलंपिक खेलों के विकास के लिए कारपोरेट जगत की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए हुई अहम बैठक में देश में जापान की तर्ज पर ओलंपिक केंद्र खोलने का प्रस्ताव रखा गया।

सूत्र ने कहा, कारपोरेट जगत के 58 प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी मौजूद थे जिन्होंने कहा कि बोर्ड दो . तीन खेलों का जिम्मा लेने को तैयार है और यह मंत्रालय तय करेगा कि वे खेल कौन से होंगे। सूत्र के अनुसार

ये सभी केंद्र एक एक ओलंपिक खेल को समर्पित होंगे और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 को ध्यान में रखकर इनमें उस खेल के 100 से 200 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को एक ही जगह पर आधुनिक प्रशिक्षण सुविधायें और विशेषज्ञ उपलब्ध होंगे। समझा जाता है कि मंत्रालय ने जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के ओलंपिक केंद्रों से प्रेरणा ली है जहां से कई ओलंपिक पदक विजेता निकले हैं।

बीसीसीआई ने 2008 में राष्ट्रीय खेल विकास कोष में 50 करोड़ रुपए और पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय ओलंपिक संघ को 8 . 5 करोड़ रुपए दिए थे।इसके अलावा बोर्ड ने टोक्यो ओलंपिक 2021 के पदक विजेताओं को चार करोड़ रुपए नकद पुरस्कार भी दिए थे।

सूत्र ने यह भी बताया कि भारतीय खेलों खासकर टेनिस और फुटबॉल को मजबूत बनाने के लिए विदेश में बसे भारतीय मूल के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चयन की पात्रता फिर देने पर भी विचार किया जा रहा है।

इस पर 2008 में रोक लगा दी गई थी और केवल भारतीय पासपोर्ट धारक ही भारत के लिए खेल सकते हैं। सूत्र न कहा कि अभी काफी शुरुआती चरण की बातचीत चल रही है और सभी पक्षों से सलाह ली जा रही है।

सुविचार

जब तक शत्रु की दुर्बलता का पता न चल जाए, तब तक उसे मित्रता की दृष्टि से रखना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चीनी दुष्प्रचार का जाल

भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान के कई समाचार चैनलों और वेबसाइटों के सोशल मीडिया अकाउंटस पर पाबंदी लगाए जाने के बाद चीनी मीडिया समूहों के खिलाफ की गई कार्रवाई स्वागत योग्य है। हमारे देश में पाकिस्तानी मीडिया के बारे में तो काफी बातें होती हैं। इसकी एक वजह भाषा की समानता हो सकती है, क्योंकि हिंदी / उर्दू जानने वाले लोग एक-दूसरे की भाषा अच्छी तरह समझ जाते हैं। वहीं, चीनी मीडिया के बारे में ज्यादा बातें नहीं होतीं। भारत में आम लोगों को चीनी भाषा नहीं आती। हालांकि चीनी मीडिया अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल, बांग्ला, उर्दू समेत ऐसी कई भाषाओं में 'समाचार' प्रकाशित और प्रसारित करता है, जिन्हें भारत में लोग समझते हैं। भारत के खिलाफ भ्रामक, असत्य, बनावटी सूचनाएं फैलाने में चीन पीछे नहीं है। उसके कार्यक्रम इस तरह तैयार किए जाते हैं कि कई लोगों के मन में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के विचारों के प्रति श्रद्धा होने लगती है। उन कार्यक्रमों में तिब्बत पर चीन के अवैध कब्जे को सही ठहराने के लिए कुतर्क पेश किए जाते हैं। लोगों को बताया जाता है कि आज तिब्बत की जनता के पास आवास, भोजन और खुशहाली है! इस बात का विश्वास दिलाया जाता है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पास हर समस्या का समाधान है। जो व्यक्ति लगातार इस दुष्प्रचार को सुनेगा, क्या वह भ्रमित नहीं होगा? हाल के वर्षों में कई चीनी वेबसाइट भारत को निशाना बनाते हुए हिंदी और अंग्रेजी में बहुत सामग्री परोस चुकी हैं। उन पर प्रकाशित आलेखों को अत्यंत विद्वतापूर्ण बताकर प्रचारित किया गया है, जबकि वे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के गुणगान से भरे हुए थे।

फेसबुक, एक्स और वॉटसऐप पर ऐसे कई अकाउंट, पेज और समूह बने हुए हैं, जिनमें चीन की उज्ज्वल छवि दिखाने की कोशिश की जाती है। उनमें बताया जाता है कि चीन ने बहुत ज्यादा विकास कर लिया है, वह अमेरिका को टक्कर दे रहा है, उसके यहां निवेश के अनुकूल माहौल है और कोई बड़ी समस्या नहीं है ...! आश्चर्यजनक रूप से इन पेजों और समूहों आदि से बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक जुड़े हुए हैं। कभी सोचा है- जब चीन इतना खुशहाल है तो उसकी उज्ज्वल छवि चीनी नागरिकों को क्यों नहीं दिखाई जाती? वहां पश्चिमी सोशल मीडिया ऐप्स पर पाबंदी क्यों है? वास्तव में चीन यह सामग्री भारत और उन देशों को दिखाना चाहता है, जहां उक्त ऐप्स चलते हैं। एआई आने के बाद चीनी दुष्प्रचार को और धार मिल गई है। उदाहरण के लिए- पर्यटन से संबंधित चीनी सोशल मीडिया पेजों पर आपको बहुत सुंदर नजारे देखने को मिलेंगे। उनकी कुछ तस्वीरें तो ऐसी हैं, जिन्हें देखकर किसी को भी भ्रम हो सकता है कि स्वर्ग ही धरती पर उतर आया! इन तस्वीरों से आकर्षित होकर दुनियाभर से लोग चीन घूमने चले जाते हैं। वहां पहुंचकर पता चलता है कि बताई गई जगह उतनी सुंदर भी नहीं थी। वहां भीड़ ही भीड़ थी। पिछले कुछ वर्षों में चीन नए-नए शिगूफे छोड़ रहा है। जैसे- हर दो-चार महीनों में चीन हमारे इलाकों के चीनी नामकरण कर देता है। कभी वह अरुणाचल प्रदेश को द. तिब्बत बताकर उस पर अवैध दावा करता है, कभी नत्थी वीजा मामले को उछालता है। जब कभी केंद्र सरकार के मंत्री अरुणाचल प्रदेश का दौरा करते हैं या वहां विकास परियोजना की शुरुआत होती है तो चीन आपत्ति जताता है। उसकी ये हरकतें अब हास्यास्पद रूप लेती जा रही हैं। किसी इलाके का चीनी नाम रख देने से क्या वह चीन का हो जाएगा? दरअसल चीन बार-बार एक ही झूठ को इसलिए दोहरा रहा है, ताकि लोग भ्रमित होकर उसे सच मान लें। इस काम में उसका मीडिया भोंपू की भूमिका निभा रहा है। भारत सरकार को उस पर पाबंदी लगाने में देर नहीं करनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

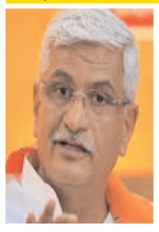

वैशाख बुद्ध पूर्णिमा दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू के साथ शिरकत की। इंटरनेशनल बुद्धिष्ट कन्फ़ेडरेशन और केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय का भगवान बुद्ध के जीवन को जन-जन तक यथारूप पहुँचाने का प्रयास सराहनीय है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ नए भारत की जीरो टॉलरेंस नीति के प्रतीक 'ऑपरेशन सिंदूर' की गौरवशाली सफलता के उपलक्ष्य में अल्बर्ट हॉल, जयपुर से निकाली गई विशाल तिरंगा यात्रा में सहभागिता कर उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

-भजनल लाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

अहंकार की गति

एक मूर्तिकार उच्चकोटि की ऐसी सजीव मूर्तियाँ बनाता था, जो सजीव लगती थीं। लेकिन उस मूर्तिकार को अपनी कला पर बड़ा घमंड था। उसे जब लगा कि जल्दी ही उसक मृत्यु होने वाली है तो वह परेशानी में पड़ गया। यमदूतों को भ्रमित करने के लिये उसने एकदम अपने जैसी दस मूर्तियाँ उसने बना डालीं और योजनानुसार उन बनाई गईमूर्तियों के बीच मे वह स्वयं जाकर बैठ गया। यमदूत जब उसे लेने आए तो एक जैसी ग्यारह आकृतियाँ देखकर स्तम्भित रह गए। इनमें से वास्तविक मनुष्य कौन है- नहीं पहचान पाए। वे सोचने लगे, अब क्या किया जाए। मूर्तिकार के प्राण अगर न ले सके तो सृष्टि का नियम टूट जाएगा और सत्य परखने के लिये मूर्तियाँ तोड़ें तो कला का अपमान होगा। अचानक एक यमदूत को मानव स्वभाव के सबसे बड़े दुर्गुण अहंकार की स्मृति आई। उसने चाल चलते हुए कहा- काश इन मूर्तियों को बनाने वाला मिलता तो मैं से बताता कि मूर्तियाँ तो अति सुंदर बनाई हैं, लेकिन इनको बनाने में एक त्रुटि रह गई। यह सुनकर मूर्तिकार का अहंकार जाग उठा कि मेरी कला में कमी कैसे रह सकत है, फिर इस कार्य में तो मैंने अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। वह बोल उठा- कैसी त्रुटि? झट से यमदूत ने उसका हाथ पकड़ लिया और बोला, बस यही त्रुटि कर गए तुम अपने अहंकार में। क्या जनते नहीं कि बेजान मूर्तियाँ बोला नहीं करतीं।

सामयिक

आपरेशन 'सिंदूर' से चीन को हुआ नुकसान

अशोक मधुप
मोबाइल : 99675899803

भारत के चार दिवसीय आपरेशन सिंदूर को लेकर हुए युद्ध विराम की सबसे बड़ी बात यह है कि भारत और पाकिस्तान दोनों अपनी अपनी सफलता पर प्रसन्न है। दोनों जश्न मना रहे हैं, किंतु इस युद्ध से सबसे ज्यादा लाभ भारत को हुआ है, और सबसे ज्यादा नुकसान युद्ध से दूर खड़े होकर तमाशा देख रहे चीन को। भारत युद्ध में अपने शस्त्रों विशेषकर मिजाइलों की गुणवत्ता और सटीकता को पूरी दुनिया में साबित करने में कामयाब रहा। इससे भारत में बनी रक्षा प्रणालियों और हथियारों को लेकर माँग अब बढ़ेंगी। हालाकि चीन युद्ध में शामिल नही था किंतु पाकिस्तान उसके अस्त्र शस्त्रों के बल पर जंग के मैदान में था। चीन के बने उपकरण पहले ही अपनी निम्न क्वालिटी के लिए प्रसिद्ध थे।इस युद्ध में तो उनके निराशाजनक प्रदर्शन ने और चीन के सामान की शाख मिट्टी में मिला दी। चीन अब सफाई में भले ही यह कह रहा है कि उसके उपकरण सही हैं, पाकिस्तानी सैनिकों पर उन्हें चलाना नही आया। चीन अब कुछ भी सफाई ने किंतु कोई भी देश अब ये मानने को तैयार नही कि चीन के शस्त्र किसी काम के हैं। इस चार दिनी युद्ध में सबसे ज्यादा नुकसान चीन को हुआ।चीन अब कुछ भी तर्क दे, कोई भी दावा करे, अब कोई उसकी बात पर यकीन करने वाला नही है।

पाकिस्तान वर्तमान में चीन के बनाए हुए एचक्यू-16 और एचक्यू-9 एयर डिफेन्स सिस्टम का इस्तेमाल करता है। एचक्यू- जहाँ 125 किलोमीटर तो एचक्यू-16 लगभग 50 किलोमीटर की रेंज वाला एयर डिफेन्स सिस्टम है। पाकिस्तान के लिए चीन ने इसमें बदलाव किए, इसके बावजूद इसका कोई फायदा नहीं हुआ है। ये सिस्टम न तो भारत के द्रोण रोक सके और न ही मिसाइल। यह एक भी भारतीय मिसाइल, ड्रोन या लोइटेरिंग म्युनिशन नहीं पकड़ पाए। भारत ने तो इन डिफेन्स सिस्टम को ही तबाह कर दिया। चीन ने पाकिस्तान को जेएफ17 लड़ाकू विमान भी बेचा। पाकिस्तान को इसका भी कोई लाभ न मिल सका। पाकिस्तान ने भारत पर हमले के लिए चीन में बने ड्रोन का भी इस्तेमाल किया था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ चीन के विंग लूँग और सीएच-2ड्रोन इस्तेमाल किए थे। इन्हें भी भारत ने सीमा पर ही मार गिराया है। इनमें से कोई भी ड्रोन भारत के किसी टार्गेट को हिट नहीं कर पाया।

हम जानते हैं कि चीन भारत का प्राकृतिक शत्रु देश है। कितना भी कर लें वह भारत का मित्र नही हो सकता। वह पाकिस्तान का मित्र देश है और आज पाकिसतान को शस्त्र देने वाला सबसे बड़ा आपूर्ति करता देश। इतना जानने के बावजूद हम भारतवासी सस्ते के चक्कर में चीन का बना सामान धड़ल्ले से खरीदते हैं। कभी चीन से विवाद के समय ही हमारी देशभक्ति जागती है, वह भी कुछ दिन के लिए और मात्र फेसबुक तक। यदि आधे भारतवासी ही एक साल के लिए चीन के बने सामान का बायकाट कर दें तो चीन घुटनों में आ जाए।कुछ साल के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा से मुंह मोड़कर देखिए। चीन रास्ते पर आ जाएगा। लगभग 50 के आसपास अरब देश हैं किंतु दो अरब देश तुर्की और अज़रबैजान ही इस लड़ाई में पाकिस्तान के साथ पूरी ताकत के साथ खड़े नजर आए। इस लड़ाई में पाकिस्तान ने तुर्की में बने 40 से ज्यादा द्रोण का इस्तमाल किया, हालाकि ये सभी रास्ते में मार दिए गए।

वर्ष 2024 में पर्यटन के लिए 2.75 लाख भारतीय तुर्की गए। 2024 में पर्यटन के लिए 2.5 लाख भारतीय अज़रबैजान के बाकू गए। 2022-2024 के दौरान अज़रबैजान में भारतीय पर्यटकों के आगमन में 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और अज़रबैजान में औसत प्रवास समय 4-6 दिन है। तुर्की में भारतीयों का औसत प्रवास 7-10 दिन है। कुल मिलाकर, भारतीय अज़रबैजान की अर्थव्यवस्था में सालाना 1,000-1,250 करोड़ रुपये का योगदान करते हैं। भारतीय तुर्की की अर्थव्यवस्था में सालाना 2,900-3,350 करोड़ रुपये का योगदान करते हैं। इस्तांबुल, कप्पाडोसिया और अंताल्या में भारतीयों की सबसे ज़्यादा दिलचस्पी है। विदेश में प्रति भारतीय पर्यटक का औसत खर्च प्रति यात्रा ए से सवा लाख रुपये है। चूंकि भारत का मध्यम वर्ग अतिरिक्त आय के साथ 40 करोड़ तक पहुंच गया है, इसलिए सोशल मीडिया और फिल्मों के माध्यम से लोकप्रियता उन्हें तुर्की और अजरबैजान की ओर आकर्षित कर रही है। भारत के कारण, तुर्की और अजरबैजान में 20,000 प्रत्यक्ष पर्यटन नौकरियों का सृजन हुआ। अप्रत्यक्ष नौकरियां 45,000-60,000 से अधिक हैं। पिछले चार वर्षों में तुर्की के आतिथ्य क्षेत्र में भारतीय निवेश में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अपने दुश्मन देश को लाभ पहुंचाना बंद करने देखिए। सांप और सपोलिए पालना बंद करिए। सब रास्ते पर आ जाएंगे। दुनिया भर के देशों में घूमने के लिए बहुत सी खूबसूरत जगह हैं, सिवाय इन दो देशों के। अगली बार, जब भी यात्रा की योजना बनाएँ, तो इन दो देशों को छोड़ कर कही भी चले जाए, ये ज्यादा ठीक होगा।

इस चार दिन के भारत और पाकिस्तान के संघर्ष के बाद यह तय हो गया कि दुनिया में भारत के अपने शस्त्रों की विश्वसनीयता बढ़ी है। ब्रह्मोस्त्र की तो पहले ही मांग होने लगी थी। अब और ज्यादा मांग आएगी। भारत का शस्त्रों का बाजार बढ़ेगा।

निर्यात बढ़ेगा तो देश की अर्थ व्यवस्था मजबूत होगी। रूस एस 500 बनाने की पहले ही तकनीक भारत को देने को तैयार है। रूस भारत का विश्वसनीय मित्र है। भारत को चाहिए की समय की मांग को देखते हुए एस 500 का निर्माण अपने यहां शुरू कर दे।राफेल की तरह दुनिया की सबसे श्रेष्ठ तकनीक खरीदे। अमेरिका मात्र शस्त्रों का सौदागर है। वह किसी देश का मित्र नही हो सकता। भारत को चाहिए कि अमेरिका का बिल्कुल विश्वास न करें। इन चार दिनों के युद्ध में रूस और इस्राइल भारत के साथ खड़े रहे। अब भारत को समय की जरूरत के हिसाब से नए मित्र बनाने होंगे। अपने को मजबूत करना होगा। तुर्की में भूकंप आने पर भारत 'ऑपरेशन दोस्त' शुरू किया। इसके तहत तुर्की को मेडिकल सहायता भेजी गई। इस ऑपरेशन के तहत एनडीआरएफ की दो टीमें तुर्की भेजीं। इसमें एक डॉग स्क्वॉड भी शामिल था। भारत की रेस्क्यू टीमों ने मलबे में दबे लोगों को खोजने, उन्हें बाहर निकालने में मदद की। ऑपरेशन दोस्त के तहत भारत ने छह विमान और 30 बिस्तरों वाला मोबाइल अस्पताल, मेडिकल सामग्री सहित सभी जरूरी सामान भिजवाए। तुर्किए में भारत का ऑपरेशन दोस्त 10 दिनों तक चला। इसका बदले तुर्की ने पाकिस्तान की किस तरह मदद की। किस तह शस्त्र भिजवाए, यह हाल में पता चल गया।

अनुमान लगाए जा रहे हैं कि चीन के हथियारों के भारत के खिलाफ फेल होने के बाद अब पाकिस्तान अमेरिका और बाकी पश्चिमी देशों से हथियार खरीदने पर जोर लगाएगा। हालाँकि, उसकी आर्थिक स्थिति को ठीक नही किंतु यह एक हजार साल भी भारत से लड़ने का इरादा रखता है। भले ही उससे दुनिया के आगे भीख मांगनी पड़े। झोली फैलानी पड़े। अमेरिका भारत के विरोध के बावजूद पहले भी पाकिस्तान को युद्ध सामग्री देता रहा है। भात के पुरजोर विरोध के बावजूद उसने पाकिस्तान को एफ 16 विमानों की खेप दी थी। अब चीन से पाकिस्तान का मोहभंग होता देख अमेरिका और मित्र देश पाकिस्तान को अपने खेमें में लेने के लिए कार्य करेंगे।

एक बात और भारत ने पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई में चीन से मिले हथियारों का नाम लिया है। भारत ने बताया कि पाकिस्तान ने इन हथियारों का इस्तेमाल भारतीय सेना पर हमला करने के लिए किया था। डीजीएओ एयर मार्शल एके भारती ने सबके सामने पाकिस्तान और चीन की इस सांठ-गांठ के सबूत दिखाए। ये काम तो बहुत पहले से होना चाहिए था। वैसे चीन पर इसका कोई असर होने वाला नहीं है। उसका ध्येय अपना और अपनी सीमाओं का विस्तार करना है, वह इसमें लगा है। चीन भारत को अपना सबसे प्रबल शत्रु मानता है, वह मानता रहेगा। भारत अपने दुश्मनों की मदद करने में चीन का नाम ले या न लें को फर्क पड़ने वाला नहीं है।

रोचक

हिमाचल में यहां मिला 60 करोड़ साल पुराना 'खजाना'

हिमाचल प्रदेश में वैज्ञानिकों के हाथ करोड़ों साल पुरानी ऐसी चीज हाथ लगी है, जिससे इतिहास से संबंधित कई अहम जानकारियों के बारे में पता चल सकेगा। यह खोज टेथिस जीवाश्म संग्रहालय के संस्थापक डॉ। रितेश आर्य ने की है। हिमाचल प्रदेश के सोलन में दुनिया के सबसे प्राचीन पृथ्वी के स्ट्रोमैटोलाइट्स जीवाश्म मिलने का दावा किया गया है। ये जीवाश्म गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हैं। इन्हें टेथिस जीवाश्म संग्रहालय के संस्थापक डॉ। रितेश आर्य ने खोजा है। उन्होंने दावा किया है कि ये जीवाश्म 60 करोड़ साल से भी अधिक पुराने हैं, जो पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत की कहानी बताते हैं।

ये जीवाश्म चंबाघाट के पास जोलाजोरां गांव में मिले हैं। डॉ। आर्य ने कहा कि स्ट्रोमैटोलाइट्स समुद्र की उथली सतहों पर माइक्रोबियल चादरों से बने परतदार पत्थर होते हैं। ये दर्शाते हैं कि सोलन क्षेत्र कभी टेथिस सागर का समुद्री तल हुआ करता था। यह सागर कभी गोंडवाना (जिसमें भारत, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अमेरिका और अंटार्कटिका शामिल थे) और एशिया के बीच था।

डॉ। आर्य ने कहा कि जब पृथ्वी की हवा में ऑक्सीजन नहीं थी और ग्रीनहाउस गैसें छाई थीं, तब इन्हीं सूक्ष्म जीवों ने करीब 2 अरब साल में धीरे-धीरे ऑक्सीजन बनाना शुरू किया, इससे आगे जाकर जीवन संभव हुआ। अगर स्ट्रोमैटोलाइट्स नहीं होते तो आज ऑक्सीजन भी नहीं होती। डॉ। आर्य इससे पहले सोलन के धर्मपुर के कोटी में, चित्रकूट और हरियाणा के मोरनी हिल्स से भी इन्हें खोज चुके हैं। उनका कहना है कि चंबाघाट के जीवाश्म अलग प्रकार की परतदार संरचना दर्शाते हैं, जो एक भिन्न प्राचीन पर्यावरणीय दशा की जानकारी देते हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल की धरती में करोड़ों साल पुराना समुद्री इतिहास छिपा है। इसे संरक्षित कर हमें अगली पीढ़ियों को सौंपना होगा। ओएनजीसी में महाप्रबंधक रहे डॉ। जगमोहन सिंह ने कहा कि चंबाघाट के ये स्ट्रोमैटोलाइट्स उस युग में ले जाते हैं जब पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत हो रही थी। पंजाब विवि के पूर्व भूविज्ञान विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ भूवैज्ञानिक प्रो। (डॉ।) अरुण दीप आहलूवालिया ने कहा कि ये जीवाश्म न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि संरक्षण के योग्य भी हैं। डॉ. आर्य ने कहा कि वह उपायुक्त और पर्यटन अधिकारी को पत्र लिखकर इस स्थान को राज्य जीवाश्म धरोहर स्थल घोषित करने की मांग करने वाले हैं। उनका मानना है कि इससे विज्ञान, संरक्षण और जियो टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा।

नजरिया

डेंगू में लापरवाही जिंदगी पर पड़ सकती है भारी

श्वेता गोयल
मोबाइल : 9034304041

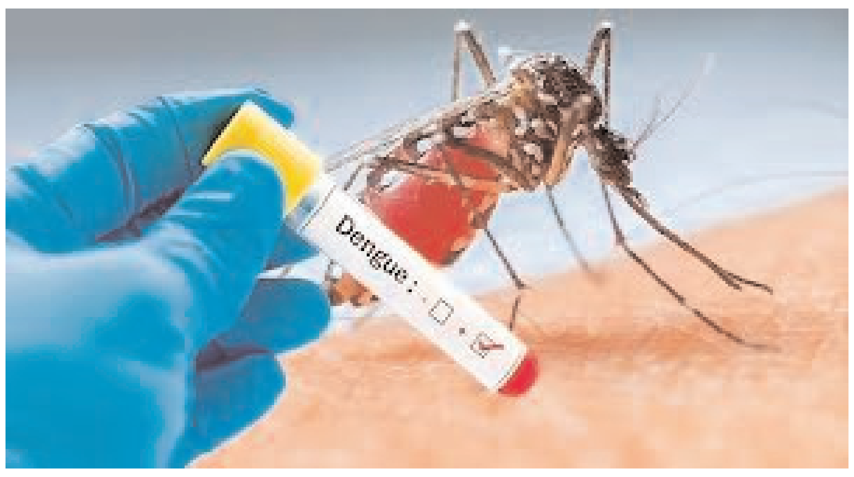

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। अब लगभग हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। डेंगू के लगातार सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वेक्सीन नहीं बनी है, इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा इसके लिए 16 मई का दिन निर्धारित किया गया।

डेंगू नामक बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, उसका अनुमान इसी पहलू से आसानी से लगाया जा सकता है कि समय से उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष मानूसन के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोलबाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैंकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहमे बल्कि सालभर डेंगू के मामले सामने आते रहते हैं।

तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्रायः गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों में यह देखने को भी मिलता है कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को यही लगता है कि मरीज डेंगू से उबर गया है लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है।

किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए। दरअसल जानलेवा डेंगू से बचने के लिए सावधानियां और सतर्कता बरता जाना बेहद जरूरी है। डेंगू हो या मच्छर जनित अन्य बीमारियां, उनसे बचने के लिए अपने आसपास के स्थान की समुचित साफ-सफाई करने को अपनी आदतों का हिस्सा बना लेना अत्यंत आवश्यक है। दरअसल अमूमन देखा जाता है कि लोग अपने घरों की साफ-सफाई तो कर लेते हैं किन्तु अपने आस-पड़ोस की उन्हें कोई फिक्र नहीं होती। इस स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही प्रायः बहुत भारी पड़ती है। यदि किसी व्यक्ति को डेंगू हो भी जाए तो सबसे जरूरी है उसकी डाइट पर विशेष ध्यान दिया जाए और उसके इम्यून सिस्टम को सही रखने का भी प्रयास किया जाए। डेंगू के मरीज को संतुलित और पौष्टिक आहार ही दिया जाना चाहिए।

डेंगू के उपचार में बहुत से लोग घरेलू नुस्खों का भी सहारा लेते हैं और इन नुस्खों में तुलसी का उपयोग बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा डेंगू हो जाने पर घरेलू नुस्खों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, जिसे शरीर में रक्त कोशिकाओं की कमी को पूरा करने में मददगार माना जाता है। दरअसल नारियल पानी में काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स के अलावा बहुत सारे खनिज पदार्थ भी होते हैं। डेंगू के उपचार में विटामिन सी से भरपूर वस्तुओं का उपयोग भी बहुत लाभकारी माना गया है, जो शरीर के रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत बनाए रखती हैं। इसलिए डेंगू हो जाने पर विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करना लाभकारी है। बहरहाल, यदि इसके बावजूद मरीज की स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आए या परेशानियां बढ़ती दिखें तो तुरंत अपने चिकित्सक या नजदीकी अस्पताल से सम्पर्क करना चाहिए क्योंकि डेंगू के इलाज में लापरवाही मरीज की जिंदगी पर बहुत भारी पड़ सकती है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मध्यप्रदेश के वीरांगना दुर्गावती बाघ अभयारण्य में बसाए जा सकते हैं चीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्राधिकारी मध्यप्रदेश के वीरांगना दुर्गावती बाघ अभयारण्य को चीतों के नए आवास के रूप में विकसित करने पर विचार कर रहे हैं। सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत दायर आवेदन के जवाब में मिले आधिकारिक दस्तावेजों से यह बात सामने आई है।

दस्तावेजों के मुताबिक, वीरांगना दुर्गावती बाघ अभयारण्य में चीतों को बसाने के विचार पर पहली बार दिसंबर 2024 में चीता परियोजना संचालन समिति की बैठक में चर्चा की गई थी।

वीरांगना दुर्गावती बाघ अभयारण्य को भारत में चीतों का तीसरा ठिकाना बनाने के बारे में पूछे जाने पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि भारत में चीता लाने के लिए कार्य योजना में इस क्षेत्र को केवल संभावित स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

मध्यप्रदेश के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक शुभरंजन सेन ने कहा, बैठक में इस पर चर्चा हुई थी, लेकिन जमीनी स्तर पर अभी तक कुछ नहीं हुआ है।

भारत में चीतों के विलुप्त होने के 70 साल बाद केंद्र सरकार ने देश में चीतों को फिर से बसाने के लिए सितंबर 2022 में 'परियोजना चीता' शुरू की थी।

चीतों को फिर से बसाने की कोशिशों के तहत मध्यप्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में 20 अफ्रीकी चीते लाए गए। इनमें से आठ चीते सितंबर 2022 में नामीबिया से और 12 चीते फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से लाए गए।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, तब से अब तक भारत में 26 चीता शावकों का जन्म हो चुका है, जिनमें से 19 जीवित हैं। 11 शावकों को जंगल में छोड़ दिया गया है, जबकि बाकी को कुनो राष्ट्रीय उद्यान में बनाए गए बाड़ों में रखा गया है।

अप्रैल 2025 में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य के मंदसौर जिले के गांधी सागर अभयारण्य में दो चीते छोड़े।

मध्यप्रदेश सरकार ने वीरांगना दुर्गावती को सितंबर 2023 में आधिकारिक तौर पर बाघ अभयारण्य घोषित किया। यह राज्य का सातवां बाघ अभयारण्य है।

भोपाल से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित वीरांगना दुर्गावती बाघ अभयारण्य 2,339 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें नरसिंहपुर, सागर और दमोह जिले के कुछ हिस्से शामिल हैं।

तिरंगा यात्रा

मुस्लिम मदरसा छात्र भोपाल में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को चिह्नित करने के लिए 'तिरंगा यात्रा' में भाग लेते हुए।

शांति वार्ता के लिए तुर्किये पहुंचे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की, पुतिन अनुपस्थित

इस्तांबुल/एपी। रूस का एक प्रतिनिधिमंडल यूक्रेन के साथ शांति वार्ता के लिए तुर्किये के शहर इस्तांबुल पहुंच गया है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोव ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वहीं राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के नेतृत्व में यूक्रेन का एक प्रतिनिधिमंडल भी तुर्किये की राजधानी अंकारा पहुंच चुका है, जिसमें कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं।

रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की ओर से बुधवार को जारी बयान के अनुसार राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन प्रतिनिधिमंडल में शामिल नहीं हैं। इस बयान के बाद पश्चिमी देशों के अधिकारियों ने रूस की आलोचना की और कहा कि वह शांति प्रयासों को लेकर गंभीर नहीं है। क्रेमलिन ने कहा कि पुतिन के करीबी व्लादिमीर मेदिंस्की रूसी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई करेंगे, जिसमें तीन अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी होंगे। पुतिन ने वार्ता के लिए चार अधिकारियों को विशेषज्ञों के तौर नियुक्त किया है।

इस सप्ताह की शुरुआत में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पुतिन को तुर्किये में व्यक्तिगत रूप से मिलने की चुनौती दी थी। जेलेंस्की ने कहा था कि वह तुर्किये की राजधानी अंकारा पहुंचकर तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन से मुलाकात करेंगे और पुतिन का इंतजार करेंगे।

यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल में रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव, विदेश मंत्री एंड्री सीबिहा और यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री येरमक शामिल हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने तुर्किये में अलग से हो रही उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की बैठक में कहा, अब, तीन साल की भारी पीड़ा के बाद, अंततः एक अवसर आया है। इस्तांबुल में होने वाली वार्ता से एक नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद है। यूक्रेन के राष्ट्रपति के सलाहकार मिखाइलो पोडोल्याक ने कहा कि जेलेंस्की केवल पुतिन के साथ ही वार्ता की मेज पर बैठेंगे।

यूक्रेन के अधिकारी के अनुसार, यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल रूस के प्रतिनिधिमंडल से कब और कहां मिलेगा, इस बारे में विवरण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन जेलेंस्की और अर्दोआन की मुलाकात के बाद यह स्पष्ट होने की उम्मीद है।

यूरोपीय देश फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनेन उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सम्मेलन के लिए तुर्किये के ही शहर अंताल्या में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस गंभीर शांति प्रक्रिया में शामिल होने का इच्छुक नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे पास एक कुर्सी खाली है, जो व्लादिमीर पुतिन की कुर्सी है। इसलिए अब मुझे लगता है कि पूरी दुनिया को एहसास हो गया है कि केवल एक ही पक्ष है जो गंभीर शांति वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार नहीं है, और वह निश्चित रूप से रूस है।

प्रदर्शन

शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपनी स्थायी नौकरियों को बहाल करने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन करते हुए।

पीओके को वापस लिया जाना चाहिए : आठवले

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो देश को और युद्ध लड़ने पड़ेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना करते हुए कहा कि सेना ने पाकिस्तान को सबक सिखा दिया है।आठवले ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, भारत ने पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार किया है। संघर्ष विराम अब कुछ दिनों के लिए है, लेकिन हमारी सेना ने सबक सिखाया है और हमने पाकिस्तान में 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है। ऐसा नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता के बाद अभियान को रोका गया है। उन्होंने कहा, भारत ने प्रस्ताव रखा है कि पाकिस्तान को पीओके (भारत को) सौंप देना चाहिए और आतंकवादी गतिविधियां बंद कर देनी चाहिए।

सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने कहा कि किसी तीसरे पक्ष को (कश्मीर के) मामले पर मध्यस्थता करने का अधिकार नहीं है और भारत का रुख यह है कि गोली का जवाब गोली से दिया जाएगा। उन्होंने कहा, मैंने पहले भी संसद में कहा है कि पीओके भारत का हिस्सा होना चाहिए। अगर पाकिस्तान इसे नहीं सौंपता है तो हमें इसे वापस पाने के लिए और युद्ध लड़ने होंगे।

शनाया कपूर ने फिल्म 'जेसी' की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की पुत्री शनाया कपूर ने अपनी आने वाली फिल्म जेसी की शूटिंग पूरी कर ली है। शनाया कपूर ने आधिकारिक तौर पर निर्देशक सुजात सौदागर की आगामी फिल्म जेसी की शूटिंग पूरी कर ली है। इस अवसर पर टीम ने एक जश्न मनाने वाला केक काटा, जिस पर लिखा था 'डायना के लिए शूटिंग पूरी की', जो इस फिल्म में शनाया के किरदार के नाम के बारे में संकेत देता है। सुजात ने इस मधुर क्षण को साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया, जिससे प्रशंसकों को इस परियोजना को परिभाषित करने वाली सौहार्द और रचनात्मकता की एक झलक मिली। सुजात ने केक डिस्प्ले पर शनाया के लिए एक हार्दिक नोट भी लिखा, जिसमें लिखा था, तुम्हारी याद आएगी डी, चमकती रहो। फिल्म जेसी में शनाया कपूर मुंज्या फेम अभिनेता अभय वर्मा के साथ नजर आयेगी । वर्ष 2025 शनाया कपूर के लिए एक बड़ा साल साबित होने वाला है। जेसी के अलावा वह अगली बार आँखों की गुस्ताखियाँ (11 जुलाई) में दिखाई देंगी, उसके बाद फरवरी 2026 में शनाया फिल्म तू या मैं में दिखाई देंगी। वह लोकप्रिय स्टूडेंट ऑफ़ द ईयर सीरीज़ में भी शामिल होने के लिए तैयार हैं।

गर्मी से राहत के लिए तापसी पन्नू ने बांटे वाटर कूलिंग जग

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में खूब गर्मी पड़ रही है और तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है। हाल ही में कूलर और फैन बांटने के बाद अब अभिनेत्री तापसी पन्नू ने गर्मी से निपटने के लिए झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों को वाटर कूलिंग जग बांटे। हेमकुंट फाउंडेशन के साथ आगे आई अभिनेत्री ने देशवासियों से भी खास अपील की। सोशल वर्क में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाली अभिनेत्री ने वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें वह हेमकुंट फाउंडेशन के सदस्यों के साथ एक बस्ती का दौरा करती और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को वाटर कूलिंग जग के साथ पानी की बोतल भी बांटती नजर आईं। तापसी ने वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए देशवासियों से इस काम के लिए आगे आने और योगदान देने की अपील के साथ कैप्शन में लिखा, अगला कदम उठाने के लिए आपको बस इरादे की जरूरत है। हेमकुंट फाउंडेशन की सहायता करने के लिए आगे आएं। इससे पहले तापसी ने वंचितों को वाटर कूलर और फैन बांटे थे। अभिनेत्री का मानना है कि लोग अक्सर पंखे या कूलर जैसी बुनियादी सुविधाओं को अनदेखा कर देते हैं, लेकिन बहुत से लोगों के लिए भीषण गर्मी में यह वरदान की तरह है।

इस पहल से वह प्रभावित हैं और इसका हिस्सा बनकर बेहद खुश भी हैं। हेमकुंट फाउंडेशन के निदेशक हरतीरथ सिंह हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी पन्नू की अपकमिंग फिल्म 'गांधारी' है, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है। सोशल मीडिया पर इश्वाक सिंह, लेखिका कनिका ढिल्लों और निर्देशक देवाशीष मखीजा की तस्वीरों को पोस्ट करते हुए अभिनेत्री ने बताया था कि इस फिल्म के लिए उन्होंने खूब मेहनत की है।

'एक अभिनेता से कहीं बढ़कर थे ओम पुरी'

मुंबई/एजेन्सी

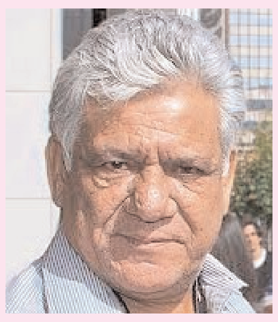

दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने अपनी हिट फिल्म 'अर्ध सत्य' की बात करते हुए दिवंगत अभिनेता ओम पुरी को भावुक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उनकी अभिनय प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा है कि वे अभिनेता से कहीं बढ़कर थे। नसीरुद्दीन शाह ने इंस्टाग्राम पर ओम पुरी की एक तस्वीर पोस्ट की और कैप्शन में लिखा, ''कल रात 'अर्ध सत्य' को बड़े पर्दे पर बहुत दिनों बाद फिर से देखा। अभिनेता सदाशिव अमरापुरकर और ओम पुरी दोनों ने इस फिल्म में बेहतरीन भूमिका निभाई थी।'' शाह ने हॉलीवुड निर्देशक निकोलस रे के एक कथन का जिक्र किया है, जो प्रसिद्ध अमेरिकी अभिनेता हम्फ्री बोगार्ट के लिए था, लेकिन उनका मानना है कि यह कथन ओम पुरी पर भी बिल्कुल सटीक बैठता है। अपनी पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा, ''ओम पुरी सिर्फ अभिनय नहीं करते थे, वे खुद एक विचार, एक संवेदना बन जाते थे। वे उस समय के आम आदमी की स्थिति, संघर्ष और दर्द का जीवंत चित्र थे। उनका चेहरा और अभिनय खुद एक सशक्त बयान था।''

गोविंद निहलानी की निर्देशित फिल्म 'अर्ध सत्य' 1983 में रिलीज हुई। यह एस. डी. पनवलकर की शॉर्ट स्टोरी 'सूर्या' पर आधारित थी। इस फिल्म में ओम पुरी ने पुलिस इंस्पेक्टर अनंत वेलंकर की भूमिका निभाई, जो अपने आस-पास के भ्रष्टाचार के साथ-साथ अपने निजी संघर्षों से जूझता है।इस फिल्म में अमरीश पुरी, स्मिता पाटिल और सदाशिव अमरापुरकर भी अहम किरदार में नजर आए। नसीरुद्दीन शाह ने फिल्म में निलंबित पुलिस अधिकारी माइक लोबो की भूमिका निभाई थी। बता दें कि ओम पुरी और नसीरुद्दीन शाह काफी अच्छे दोस्त रहे हैं। दोनों राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) में बैचमेट थे। बाद में ओम ने भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) में अपनी ट्रेनिंग को आगे बढ़ाया, जहां नसीर पहले से ही सीनियर थे। दोनों ने 1980 के दशक में अपने करियर की शुरुआत की थी। ओम पुरी का 6 जनवरी 2017 में मुंबई में देहांत हो गया था। उन्होंने 66 साल की उम्र में अंतिम सांस ली, उस वक्त वह मराठी फिल्म प्रोजेक्ट की शूटिंग में बिजी थे। उनके निधन के बाद, उनकी कई तैयार फिल्में जैसे वायसराय हाउस और ट्यूबलाइट रिलीज हुईं।

क्रिमिनल जस्टिसः अ फैमिली मैटर का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

एप्लॉज एंटरटेनमेंट और बीबीसी स्टूडियोज इंडिया निर्मित तथा रोहन सिप्पी निर्देशित सीरीज क्रिमिनल जस्टिस: अ फैमिली मैटर का ट्रेलर रिलीज हो गया है क्रिमिनल जस्टिस: अ फैमिली मैटर में पंकज त्रिपाठी ,मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब, सुरवीन चावला, आशा नेगी, खुशबू अत्रे, बरखा सिंह, आत्म प्रकाश मिश्रा, मीता वशिष्ठ और श्वेता बसु प्रसाद जैसे प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। इस बार कहानी एक प्रभावशाली परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक सनसनीखेज हत्या के घेरे में आ गया है। जो केस शुरुआत में एक सीधी-सादी दलील जैसा लगता है, वह जल्दी ही कोर्टरूम में तीन अलग-अलग सचों के बीच की जंग में बदल जाता है। हर पक्ष के पास अपना सच है और हर एक पिछले से ज्यादा विश्वसनीय लगता है। हमेशा की तरह, माधव मिश्रा इस उलझन के बीच अपने खास अंदाज़ और नैतिक समझ के साथ सच की तलाश में जुटे हैं। पंकज त्रिपाठी ने कहा, क्रिमिनल जस्टिस का यह सीजन सिर्फ कोर्टरूम में माधव मिश्रा की वापसी नहीं है, बल्कि यह दिमागों की टक्कर वाला एक गहन मुकाबला है। इस बार वह अपने सबसे घातक विरोधियों से जूझ रहा है और एक ऐसे केस की पैरवी कर रहा है, जिसमें कई परतें हैं। माधव मिश्रा की भूमिका निभाना और इस शो की शूटिंग करना हमेशा मेरे लिए सीखने वाला अनुभव रहा है। यह किरदार मुझे बहुत प्यारा है और अब तो ऐसा लगता है मानो वह मेरा ही एक रूप बन चुका है। इस सीजन में कई प्रतिभाशाली कलाकार भी हमारे साथ जुड़े हैं, जिन्होंने कहानी को और भी दमदार बना दिया है। मुझे खुशी है कि मेरे प्रशंसक इस शो को जियोहॉटस्टार पर देख पाएंगे।

सुरवीन चावला ने कहा, 'अंजू' एक बहुत ही सशक्त किरदार है, जिसे एक जटिल लेकिन शानदार कहानी का सहारा मिला है। यह सिर्फ एक कानूनी लड़ाई नहीं, बल्कि भावनाओं, सच और नैतिकता की लड़ाई है। ऐसा कोर्टरूम ड्रामा कम ही देखने को मिलता है और मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह खूब पसंद आएगा। हमारी टीम बेहतरीन थी, जिसने क्रिमिनल जस्टिस अ फैमिली मैटर की इस यात्रा को यादगार बना दिया। खासकर पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना मेरे लिए बेहद ख़ास रहा। अब मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ कि दर्शक कब इस कहानी से जुड़ते हैं। क्रिमिनल जस्टिस- अ फैमिली मैटर, 29 मई से सिर्फ जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा।

कोरिया की 'टूरिज्म एंबेसडर' नियुक्त हुई हिना खान

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर प्रशंसकों और फॉलोअर्स को बड़ी खुशखबरी दी। हिना ने बताया कि 'कोरिया टूरिज्म' के एंबेसडर के रूप में उन्हें नियुक्त किया गया है। यह सम्मान पाकर वह बेहद खुश और उत्साहित हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों के साथ हिना ने कोरिया पर्यटन ऑर्गनाइजेशन भारत को धन्यवाद कहा। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, ''कोरिया पर्यटन के ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त होने पर सम्मानित महसूस कर रही हूं। कोरिया की सुंदरता और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उत्साहित हूं।'' हिना ने बताया कि इस सम्मान से उन्हें जो खुशी मिली है, उसे वह शब्दों में बयां नहीं कर सकती हैं। उन्होंने लिखा, ''इस खूबसूरत देश में हाल ही में आई और देश में बिताए पिछले कुछ दिनों में मेरे अनुभव को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। पुराने महलों से लेकर सड़कों तक, कोरिया बेहद खूबसूरत देश है, जिसका जादू दिखता है। यहां के अद्भुत नजारे, स्वादिष्ट भोजन और संस्कृति को सभी को दिखाने के लिए मैं एक्साइटेड हूं और ज्यादा इंतजार नहीं कर सकती। इस सम्मान के लिए एंड्रयू जेएच किम और कोरिया टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन इंडिया का धन्यवाद।'' हिना के अलावा और भी कई एक्टर्स हैं, जो विदेशों के एंबेसडर हैं। अभिनेता और सोशल वर्कर सोनू सूद भी इस लिस्ट में शामिल हैं। पिछले साल ही थाईलैंड सरकार ने उन्हें अपना एंबेसडर नियुक्त किया था। पर्यटन मंत्रालय ने उन्हें देश का 'ब्रांड एंबेसडर' और 'ऑनरी टूरिज्म एडवाइजर' नियुक्त किया। कोरोना महामारी के दौरान किए गए मानवीय प्रयासों के कारण सोनू सूद को 'मसीहा' शब्द का टैग भी मिला है। इससे पहले 'मदर्स डे' के मौके पर अभिनेत्री हिना खान ने मां के साथ वीडियो शेयर कर बताया कि एक मां अपने बच्चे के जीवन की सबसे बड़ी ढाल होती है। हिना ने वीडियो के बारे में बताया कि इसे उनके भाई ने रमजान के पाक माह में बनाया था।

'द रॉयल्स' में सोफिया का किरदार भूमि ही निभा सकती थी : प्रियांका घोष

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक प्रियांका घोष ने बताया है कि वेबसीरीज द रॉयल्स में सोफिया का किरदार भूमि पेडनेकर हीं निभा सकती थी। भूमि पेडनेकर ने हाल ही में रिलीज़ हुई वेब सीरीज़ द रॉयल्स के साथ अपना वेब सीरीज़ डेब्यू किया है। प्रियांका घोष और नुपुर आस्थाना द्वारा निर्देशित इस सीरीज़ में भूमि ने एक सशक्त और आत्मनिर्भर उद्यमी 'सोफिया शेखर' की भूमिका निभाई है, और इस भूमिका के लिए उनकी जमकर सराहना हो रही है। हाल ही में निर्देशक प्रियांका घोष ने भूमि के इस किरदार को लेकर अपने विचार साझा किए। प्रियांका ने कहा, भूमि के व्यवहार की झलक स्क्रिप्ट में थी। हमें पता था कि भूमि इसे निभा सकती हैं बिना इसे ज़्यादा आक्रामक बनाए। किसी और कलाकार के साथ मैं थोड़ा सशंकित होती। भारत में हम आसानी से सशक्त महिलाओं को स्वीकार नहीं करते। लेकिन भूमि में एक कोमलता और संवेदनशीलता है। सोफिया में खामियां हैं, और सिर्फ भूमि ही उसे पसंदीदा बना सकती थीं। सोफिया असल ज़िंदगी में भूमि ही हैं। सोफिया शेखर के रूप में भूमि ने एक बार फिर एक अलग और कई परतों वाले किरदार को अपनाया है। उन्होंने इसमें हास्य, तीव्रता और ढेर सारी बेबाकी को सहजता से मिलाया और अपने को-स्टार ईशान खट्टर के साथ ऑन-स्क्रीन यह सब नैसर्गिक रूप से पेश किया। दर्शक इस बात की सराहना कर रहे हैं कि भूमि ने कैसे इस किरदार को भावनाओं और बुद्धिमत्ता के बीच संतुलन बनाकर निभाया। जहां एक ओर भूमि द रॉयल्स की सफलता का आनंद ले रही हैं, वहीं वे अगली बार अमेज़न प्राइम वीडियो की थ्रिलर सीरीज़ दलदल में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नज़र आएंगी।

8 दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 16-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में गुरुवार को साध्वीश्री पावनप्रभाजी एवं पुण्ययशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा के तत्वावधान में समण संस्कृति संकाय के अंतर्गत' ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों का 4 दिवसीय चारित्र निर्माण शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें लगभग 175 ज्ञानार्थी, शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

जयनगर के वात्सल्यपुरम आश्रम में 'ज्ञानवाटिका' का हुआ शुभारम्भ

ब्यावर युवा लेडीज विंग करेगी ज्ञानवाटिका का संचालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर युवा लेडीज विंग द्वारा छोटे बच्चों को धार्मिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से गणिवर्य मनीषप्रभसागरजी और मतीषप्रभसागरजी की निश्रा में गुरुवार को जयनगर स्थित वात्सल्यपुरम आश्रम में ज्ञान वाटिका का शुभारम्भ किया गया। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी शिक्षिकाओं व उपस्थित जनों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि लेडीज विंग की अनिता गांग, चन्द्रकला डाकलिया, मधु कोठारी, मोनिका बोहरा, प्रीति बोहरा, सरिता डाकलिया, शीतल चोरड़िया, शीतल बाफना, श्वेता बोहरा द्वारा धार्मिक क्लास ली जाएँगी और हर छह माह में बच्चों की परीक्षा ली जाएगी। उपाध्याय मनितप्रभसागरजी द्वारा रचित ज्ञान वाटिका कोर्स और कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ का धार्मिक पाठशाला कोर्स पढ़ाया जाएगा। गुरुदेव ने इस अवसर पर बच्चों को पहले पाठ के रूप में परमात्मा की स्तुति की वांचना प्रदान की और कहा कि धर्म और संस्कारों के बिना मनुष्य की उन्नति संभव नहीं है।

इस मौके पर ज्ञान वाटिका के राष्ट्रीय चेयरमैन विजयराज डोसी ने कहा कि ज्ञान वाटिका की पूरे भारतवर्ष में 90 शाखाएं हैं जिनमें 4 हजार विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष दिनेश खींचा, ब्यावर संघ के अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा शाखा के महामंत्री कुलदीप छाजेड़, सहमंत्री नरेश बोहरा, कंचन छाजेड़, सीमा बोहरा ने ज्ञानवाटिका के शुभारंभ पर शुभकामनाएं दी।

आश्रम की संचालिका सुश्री शिखा जैन ने लेडीज विंग को धन्यवाद दिया। ज्ञान वाटिका की ओर से सभी बच्चों को उपहार स्वरूप बैग और धार्मिक पाठ्यक्रम की पुस्तकें प्रदान की गई।

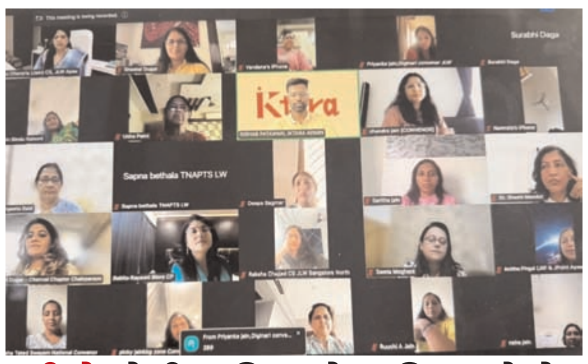

जीतो लेडीज विंग ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए आयोजित की ऑनलाइन कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन (जीतो) लेडीज़ विंग अपेक्स, लेडीज़ विंग बेंगलूरु साउथ चैप्टर एवं लेडीज़ विंग चेन्नई चैप्टर ने मिलकर गत मंगलवार को ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल विपणन (डिजिटल मार्केटिंग) की उन्नत तकनीकों से सशक्त बनाना है। मुख्य वक्ता के रूप में इकतारा एज्यूकेशन के संस्थापक ऋषभ पटावरी ने प्रतिभागियों को कैनवा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता टूल्स (एआई टूल्स), गूगल विज्ञापन (गूगल ऐड्स), खोज इंजन अनुकूलन (एसईओ) और सोशल मीडिया रणनीति जैसी तकनीकों से परिचित कराया। जीतो लेडीज़ विंग अपेक्ष की सचिव डॉ. शशि मांडोत ने सभी का स्वागत किया। संयोजिका प्रियंका जैन ने संचालन किया।

बेंगलूरु साउथ चैप्टर की चेयरपर्सन बबिता रायसोनी ने कहा कि कुछ नया सीखने और एक बेहतर जीवन की दिशा में बढ़ने के लिए दो चैप्टर एक साथ आए हैं यह बड़ी उपलब्धि है। दस ज्ञानवर्धन सत्र की इस कार्यशाला में अपेक्स, बेंगलूरु साउथ व चेन्नई चैप्टर के अनेक पदाधिकारियों ने भाग लिया। संयोजिका चंद्रा जैन और रेखा जैन व उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली। शशि मांडोत ने धन्यवाद दिया।

अच्छे इंसान बनने के गुर सीखने का अवसर मिलता है चरित्र निर्माण शिविर में'

चार दिवसीय चरित्र निर्माण शिविर का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में गुरुवार को साध्वीश्री पावनप्रभाजी एवं पुण्ययशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा के तत्वावधान में 'समण संस्कृति संकाय के अंतर्गत' ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों का 4 दिवसीय चरित्र निर्माण शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें लगभग 175 ज्ञानार्थी, शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे हमारे संघ की नींव है, जड़ है, चरित्र निर्माण शिविर के माध्यम से हम जड़ में पानी सींचने के लिए आए हैं। बचपन में दिए गए संस्कार पुष्ट बनते, पुष्पित, पल्लवित एवं प्रफ्फुलित होते हैं। प्रतिभागियों को ऐसे शिविर में अच्छे इंसान बनने के गुर सीखने का अवसर मिलता है। साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने कहा कि चरित्र निर्माण शिविर, शिविरार्थियों को नैतिक मूल्य, अनुशासन और कर्तव्य बोध देने की प्रेरणा का एक उपक्रम है। बचपन के संस्कार जीवन को सुसंस्कारी बनाने में बहुत सहयोगी एवं उपयोगी होते है। इस शिविर में साध्वीश्री मार्दवश्रीजी, मनीषाप्रभाजी भी शामिल हुईं।

सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया। समण संस्कृति संकाय के संयोजक जुगराज श्रीश्रीमाल ने जैन विद्या अभियान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि यह शिविर रविवार तक चलेगा।

सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभी साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की तथा ज्ञानशाला प्रायोजक पुष्पादेवी महावीर कातरेला परिवार, रोशनलाल दिनेश पोखरना परिवार, नितिन भीकमराज जोगड़ परिवार, रेशमादेवी दीक्षांत ललवानी परिवार को धन्यवाद दिया। शिविर सह-संयोजक गौतम डोसी ने संचालन किया। शुभारंभ के अवसर पर महासभा के प्रकाश लोढ़ा, सभा के विनय बैद, प्रकाश कटारिया, बहादुर सेठिया, पारसमल नाहर, विमल धारीवाल, हेमंत छाजेड़ सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु जैन सेवा मंडल द्वारा 43 कल्याणक भूमियों की सात दिवसीय तीर्थ यात्रा 18 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बेंगलूरु जैन सेवा मंडल द्वारा 43 कल्याणक भूमियों की सात दिवसीय तीर्थ यात्रा 18मई से प्रारंभ हो रही है। तीर्थ यात्रा के दौरान करीब 100 तीर्थ यात्री उतरप्रदेश के वाराणसी, भेलुपुर, भदैनी, चन्द्रपुरी, सिंहपुरी, अयोध्या, रत्नपुरी, श्रावस्ती सहित कुल 43 कल्याणक भूमियों के लिए हवाई यात्रा कर दर्शन करेंगे। इस हेतु मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की एक तैयारी बैठक का आयोजन गुरुवार को किया गया तथा कार्यों को अंतिम रूप दिया गया। इस संघ यात्रा के मुख्य लाभार्थी मथराबाई रिखबचंद मोदी परिवार हैं। नवकारसी लाभार्थी के रूप में विमलदेवी गोरमल मोदी, कान्तिलाल हुक्मीचंद कांकरिया, डाईदेवी भबूतमल बालर, जंयतीलाल पेराजमल रतनपुरा, कान्तिलाल हुक्मीचंद कांकरिया तथा वसंतकुमार तिलोकचंद वेदमुथा तथा राजेन्द्रकुमार मिश्रीमल सवानी परिवार अन्य लाभार्थी हैं। बैठक में मंडल की अध्यक्ष वसंतकुमार वेदमुथा, उपाध्यक्ष दिलीपकुमार वेदमुथा, कोषाध्यक्ष मदनलाल वेदमुथा सहित अनेक सदस्यों ने यात्रा कार्यों की समीक्षा की तथा जिम्मेदारियां बांटी।

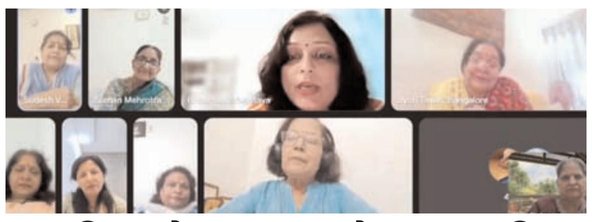

मातृदिवस के उपलक्ष्य में भाषा साहित्य मंच की मासिक गोष्ठी सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भाषा साहित्य मंच की ओर से बुधवार को ऑनलाइन तरीके से मातृदिवस पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्थापिका अध्यक्ष डॉ. उषा श्रीवास्तव ने सभी को माँ, मातृभूमि एवं मातृभाषा का महत्व बताते हुए सेना के लिए कुछ सहयोग राशि भेजने का प्रस्ताव रखा जो सभी ने एकमत से स्वीकार किया। मातृ दिवस गोष्ठी का आरम्भ डॉ शैलजा रोला की स्वरचित सरस्वती वंदना से हुआ। गोष्ठी का संचालन डॉ भूमिका श्रीवास्तव ने किया। सुमन मल्होत्रा ने अध्यक्षता करते हुए काव्य पाठ किया। गोष्ठी में सरिता श्रीवास्तव, सुदेश वत्स, भगवती सक्सेना, शैलजा रोला, सुषमा कुलश्रेष्ठ, अचला प्रवीण, डॉ. भूमिका श्रीवास्तव, डॉ. उषा श्रीवास्तव, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ, ऋता शेखर मधु आदि ने मां के प्यार व महत्त्व पर काव्यपाठ किया। प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने सभी को धन्यवाद दिया।

अभाव और प्रभाव में यदि सद्भाव जुड़ जाए, तो वही जीवन सुखद : साध्वी श्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर आगमन के पश्चात गुरुवार को आयोजित प्रवचन में साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि जीवन में अभाव और प्रभाव का होना दुःख का कारण है, किंतु इन्हीं अभाव और प्रभाव में यदि सद्भाव जुड़ जाए, तो वही जीवन सुखद बन जाता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के सुखी जीवन का रहस्य है शरीर की स्थिरता, मन की एकाग्रता, और भावों की पवित्रता, इसलिए जीवन में हमें दूसरों के प्रति प्रेम और मैत्री का भाव रखना चाहिए, जिससे न केवल हम स्वयं शांति और सुख को प्राप्त करें, बल्कि दूसरों को भी शांत और सुखी बना सकें। साध्वीश्री ने संकटमोचक, कष्टनिवारक और उपलब्धिप्रदायक बीजाक्षरों के कुछ मंत्रों का लयबद्ध उच्चारण भी करवाया। इस अवसर पर साध्वीश्री रौनकप्रभाजी ने गीत की प्रस्तुति दी। साध्वीश्री संयमलता जी ने जितेंद्र घोषल के समर्पण और सेवा की सराहना करते हुए कहा कि घोषल संतों की चिंताओं को निश्चितता में बदलते रहे हैं। जितेंद्र घोषल ने स्वागत गीत प्रस्तुत करते हुए आगामी चातुर्मास के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त की। इस अवसर पर माणकचंद बलडोटा, पवन बच्छावत, महावीर नागसेठिया, चुन्नीलाल घोषल, कन्हैयालाल सिंघी, नरेंद्र सुराणा सहित अनेक श्रावकगण उपस्थित थे।

जप, तप व सामायिक के साथ रविवार को मनाएंगे गुरु केवल की पुण्यतिथि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय गुरु केवल भक्त परिवार द्वारा रविवार को श्रमण संघीय उपाध्यायश्री केवलमुनिजी के 31वें पुण्योत्सव का आयोजन दोड्डनिकुंदी गौशाला परिसर में केवल आराधना स्थल पर किया गया है। साध्वीश्री कंचनकंवरजी के सान्निध्य में पुण्योत्सव कार्यक्रम जप, तप व सामायिक के साथ मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम के लाभार्थी पन्नालाल सुमित्राबाई कोठारी परिवार वाले हैं। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए शहर के अनेक उपनगरों से बसों की व्यवस्था की गई है।

देव दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

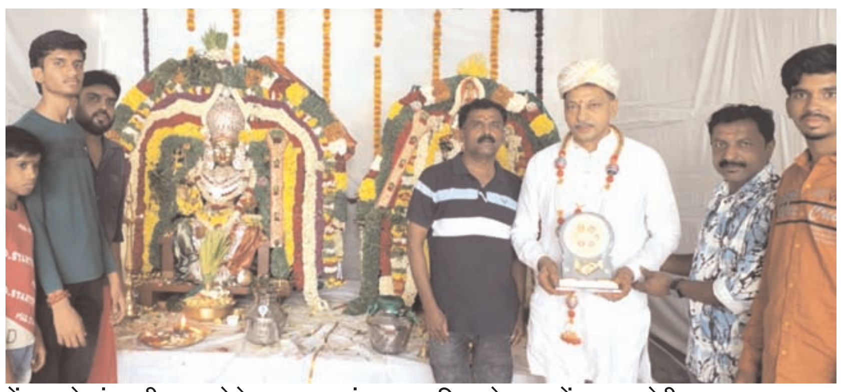

बेंगलूरु के पंचमुखी कन्नड़ गेलेयारा बलगा संघ द्वारा कविका लेआउट में अणम्मा देवी उत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महेन्द्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

'भगवान बुद्ध की शिक्षाएं और सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने अंतरराष्ट्रीय वेसाक दिवस 2025 के मौके पर कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएं मतभेदों से ऊपर उठने के लिए प्रोत्साहित करती हैं और अनिश्चितता के मौजूदा समय में मार्गदर्शक हो सकती हैं।

हरीश ने वेसाक के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के सह-मेजबान थाईलैंड और श्रीलंका के स्थायी मिशनों को धन्यवाद दिया और कहा कि इससे हमारे क्षेत्र के देशों को जोड़ने वाले सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध मजबूत होते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा मानवता की आध्यात्मिकता के प्रति समझ में बौद्ध धर्म के योगदान को स्वीकार करने के लिए वेसाक दिवस को मान्यता देती है।

वेसाक को भारत में बुद्ध जयंती या बुद्ध पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है और यह वह दिन है जिस दिन गौतम बुद्ध का जन्म हुआ और उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। हरीश ने बुधवार को कहा कि बुद्ध का ''संयम बरतने का सिद्धांत आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध की शिक्षाएं आज के अनिश्चितता के समय में मार्गदर्शक हो सकती हैं। उन्होंने कहा, बुद्ध की शिक्षाएं सरल और गहन हैं, जो हमें अपने मतभेदों से ऊपर उठने तथा प्रेम और दया के सार्वभौमिक बंधन को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

हरीश ने याद दिलाया कि पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा के साथ वाट फो मंदिर की यात्रा के दौरान साझा विरासत पर और अधिक जोर दिया गया था। उन्होंने अप्रैल में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ मोदी की अनुराधापुरा स्थित श्रीलंका के पवित्र जया श्री महाबोधि मंदिर की यात्रा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, बौद्ध धर्म ने हमारी समग्र संस्कृति और बहुलवाद में प्रमुख भूमिका निभाई है।

वेसाक दिवस संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और संयुक्त राष्ट्र के अन्य कार्यालयों में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

नैतिकता ही धर्म का प्रवेश द्वार है : संतश्री कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की ओर विहाररत राष्ट्रसंत कमलमुनिजी 'कमलेश' ने देवनहल्ली में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गुरुवार को कहा कि सभी धर्म की उपासना पद्धति अलग हो सकती है, आराध्य अलग हो सकते हैं परंतु नैतिकता ही धर्म का प्रवेश द्वार है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता की दुहाई देने वाले के जीवन में नैतिकता का दीवाला स्पष्ट नजर आना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसलिए पहले नैतिक बने बाद में धार्मिक बने। मुनि कमलेशजी ने बताया कि विश्व के सभी महापुरुषों ने नैतिकता और ईमानदारी को अपने जीवन में प्राथमिकता दी है जो उनकी महानता की निशानी और धर्म का असली प्राण है। जैन संत ने कहा कि आज तो धर्म स्थल भी अनेकता और अराजकता के अखाड़े बनते जा रहे हैं। सभी धर्माचार्यों को मिलकर धर्मस्थल पर भी पवित्रता के कार्यों को ही प्राथमिकता देना चाहिए।

इस मौके पर दोड्डबालापुर के प्रकाश बोहरा, रमेश कवाड़, राकेश पुंगलिया, अशोक कोठारी, सुजीत मकाना, सुरेश गादिया, नेमीचंद मुथा, केवलचंद जैन ने विहार सेवा में भाग लिया।

तिरंगा यात्रा

गुरुवार को शिवमोग्गा में शिकारीपुरा मंडल द्वारा शहर के अंबेडकर सर्किल से शहीद स्मारक हॉल तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा, शिकारीपुरा मंडल अध्यक्ष हनुमनथप्पा संकलापुर, मलेनाडु विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष के.एस. गुरुमूर्ति, मंडल नगर पालिका अध्यक्ष सुनंदा मंजूनाथ, उपाध्यक्ष रूपा और पार्टी नेता व अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में नेपाल की प्रतिभागी जलवायु कार्रवाई विमर्श को बदलना चाहती हैं

बेंगलूरु/हैदराबाद/भाषा। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए नेपाल की प्रतिभागी सृच्छा प्रधान का कहना है कि वह जलवायु कार्य योजना के मौजूदा विमर्श को बदलना चाहती हैं और नायक बनने की सोच से पेश की गई दिखावटी योजनाओं के बजाय वह लोगों को वास्तव में प्रकृति से फिर से जोड़ना चाहती हैं।प्रधान ने 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि वह बचपन से ही पेड़ों की देखभाल करने लगी थीं। उन्होंने कहा, मैं अपना पूरा जीवन एक पर्यावरणविद के रूप में जी रही हूं। मैं जो कपड़े पहनती हूं और जो मेकअप लगाती हूं, उन सभी से कोई अपशिष्ट नहीं निकलता है, वे सब पर्यावरण के अनुकूल हैं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.